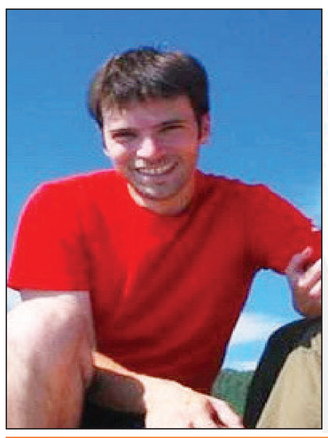

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन पेज: 7

पलक तिवारी ने अपनी मां श्वेता तिवारी के साथ बॉन्ड को पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 49 | गुरुवार 21 मई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

'भारत हो रहा नक्सल मुक्त', एकनाथ शिंदे ने अमित शाह के कार्रवाई की जमकर तारीफ की

महाराष्ट्र एजेंसी: महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने नक्सलवाद उन्मूलन के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि देश को नक्सल मुक्त बनाने का केंद्र का मिशन महाराष्ट्र के गढ़चिरोली क्षेत्र सहित कई क्षेत्रों में सफल हो रहा है। अमित शाह के नक्सलवाद संबंधी बयान पर बोलते हुए शिंदे ने मंगलवार को कहा कि महाराष्ट्र में नक्सलवाद का खतरा काफी हद तक कम हो गया है और लोगों को रोजगार और आजीविका के अधिक अवसर मिल रहे हैं। शिंदे ने पत्रकारों से कहा कि गृह मंत्री ने देश को नक्सल मुक्त बनाने का बीड़ा उठाया है और वे इसमें सफल हो रहे हैं। महाराष्ट्र में भी गढ़चिरोली जैसे क्षेत्रों में नक्सलियों की संख्या में कमी आई है। नक्सलवाद कम हो रहा है, लोगों को रोजगार और आजीविका मिल रही है, नक्सलवाद का उन्मूलन हो रहा है।

पीएम मोदी और अमित शाह को लेकर राहुल गांधी के बयान पर बोले नितिन नवीन, ये उनकी अराजकतावादी मानसिकता को दिखाता है

नई दिल्ली एजेंसी: बुधवार को सत्तारूढ़ भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ राहुल गांधी की टिप्पणी पर जमकर हमला बोला और कहा कि कांग्रेस नेता के शब्द उनकी अराजक मानसिकता और चरित्र को दशार्ते हैं। भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि गांधी की टिप्पणी देश की 140 करोड़ जनता का अपमान है और उन्होंने उनसे माफी मांगने की मांग की। यह घटना तब हुई जब गांधी ने बुधवार को अपने लोकसभा क्षेत्र रायबरेली में एक कार्यक्रम में मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर विभिन्न मुद्दों पर हमला करते हुए उन्हें "गद्दार" कहा। गांधी की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए नबीन ने कहा कि उन्होंने जिस तरह का बयान दिया है, वह स्पष्ट रूप से उनकी अराजक

मानसिकता और चरित्र को दशार्ता है। यह टिप्पणी चुनावों में अपनी पार्टी की हार से उनकी कुंठा और हताशा को भी दशार्ती है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि वे अपना मानसिक संतुलन खो रहे हैं। उन्होंने गांधी की टिप्पणी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि यह देश की 140 करोड़ जनता का अपमान है। नवीन ने पूछा कि जिस व्यक्ति ने आतंकी घटनाओं पर अंकुश लगाया, नक्सलवाद का अंत किया, तिरंगे का सम्मान बढ़ाया, ऐसे व्यक्ति के लिए आप इस तरह के शब्दों का प्रयोग

चुनावी हार की हताशा का प्रतीक बताया है.................

राहुल गांधी द्वारा पीएम मोदी को 'गद्दार' कहे जाने पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है, इसे उनकी 'अराजकतावादी मानसिकता' और चुनावी हार की हताशा का प्रतीक बताया है। भाजपा ने इस बयान को 140 करोड़ भारतीयों का अपमान बताते हुए कांग्रेस नेता से देश की जनता से माफी मांगने की मांग की है।

करेंगे? उन्होंने मांग की कि राहुल को देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने राहुल का एक वीडियो साझा किया, जिसमें कांग्रेस नेता कथित तौर पर एक जनसभा में उपस्थित लोगों से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सदस्यों को यह बताने के लिए कहते सुनाई दे रहे हैं कि मोदी और शाह गद्दार हैं जिन्होंने देश बेच दिया और संविधान तथा राष्ट्रीय प्रतीकों पर हमला किया। वीडियो में राहुल को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि आपको खड़ा होना होगा और लड़ना होगा। जब आरएसएस कार्यकर्ता आपके घरों में आकर नरेंद्र मोदी और अमित शाह के बारे में बात करें, तो आपको उन्हें बताना होगा कि उनका संगठन, मोदी और शाह गद्दार हैं। उन्होंने हमारे देश को बेचने की कोशिश की है और हमारे संविधान, अंबेडकर जी और महात्मा गांधी पर हमला किया है। पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में भंडारी ने कहा कि गांधी की टिप्पणियां शहरी नक्सलियों की मानसिकता को दशार्ती हैं और आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता देश के हितों के खिलाफ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने 140 करोड़ भारतीयों को गद्दार कहा है। इससे पता चलता है कि उनका नियंत्रण भारत विरोधी ताकतों के हाथ में है। भंडारी ने आगे आरोप लगाया कि गांधी इसलिए नाराज हैं क्योंकि मोदी के नेतृत्व में "भारत एकजुट है" और उन पर भारतीय राज्य को ही निशाना बनाने का आरोप लगाया।

कर्नाटक कांग्रेस में सीएम बदलें की चर्चा? डी.के. शिवकुमार बोले- खरगे से सिर्फ शासन पर बात हुई

नई दिल्ली एजेंसी: कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ उनकी बातचीत पार्टी और शासन को मजबूत करने पर केंद्रित थी। उन्होंने कर्नाटक में पार्टी के भीतर सत्ता संघर्ष की अफवाहों को खारिज कर दिया। शिवकुमार ने यह भी कहा कि अगर वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी उन्हें आमंत्रित करते हैं तो वे दिल्ली भी जाएंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, खबरें आ रही हैं कि राज्य नेतृत्व के मुद्दे पर नए सिरे से अटकलों के बीच खरगे ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और शिवकुमार से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक, खरगे सिद्धारमैया, शिवकुमार और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ तिरुवनंतपुरम से बेंगलुरु गए। बाद में सोमवार को उन्होंने राज्य

के ऊर्जा मंत्री के. जे. जॉर्ज के आवास पर चर्चा की। पिछले कुछ महीनों में सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष की खबरें बार-बार सामने आई हैं। कांग्रेस सरकार के पिछले साल नवंबर में ढाई साल पूरे होने के बाद सत्ता-साझाकरण का मुद्दा और भी गंभीर हो गया। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, केरल से लौटने के तुरंत बाद जॉर्ज के आवास पर अनौपचारिक बैठक हुई। केरल में नई कांग्रेस सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के बाद दोनों नेता लौटे थे। शिवकुमार ने पत्रकारों से कहा कि कल आप सभी नेतृत्व संबंधी मुद्दों पर खबरें लिख रहे थे। हम पार्टी को मजबूत करने और उसे सत्ता में वापस लाने के तरीकों पर चर्चा कर रहे थे। खरगे और सिद्धारमैया के साथ अपनी बैठक के दौरान हुई आंतरिक चचाओं के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा कि आप सभी अलग-अलग कहानियां लिख रहे हैं। हमने राजनीति और शासन पर चर्चा की। बस इतना ही। राहुल गांधी द्वारा दिल्ली आने के संभावित निमंत्रण के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए शिवकुमार ने कहा कि अगर मुझे बुलाया गया तो मैं जाऊंगा। उन्होंने कहा है कि वे मुझे बुलाएंगे। निश्चित रूप से मैं जाऊंगा। उन्होंने आगे कहा कि हो सकता है कि वे मुझे इस महीने के अंत तक बुला लें। मधुगिरी के कांग्रेस विधायक और पूर्व सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना द्वारा दिए गए उस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कि अगर नेतृत्व में बदलाव होता है तो राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर को मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए, शिवकुमार ने सिद्धारमैया को हटाने के बारे में किसी भी चर्चा से इनकार किया।

महाकाल की नगरी उज्जैन में होगी केंद्रीय क्षेत्रीय परिषद की बैठक, अमित शाह करेंगे सिंहस्थ 2028 की समीक्षा

उज्जैन: मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को घोषणा की कि केंद्रीय क्षेत्रीय परिषद की 27वीं बैठक 2027 में उज्जैन जिले में होगी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के बस्तर में 19 मई को आयोजित परिषद की 26वीं बैठक के दौरान इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। मुख्यमंत्री ने भोपाल स्थित मंत्रालय में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक से पहले मंत्रियों को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उज्जैन में परिषद की बैठक में भाग लेने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री नागरिक व्यवस्था, मानव संसाधन प्रबंधन और आपदा प्रबंधन प्रणालियों पर विशेष ध्यान देते हुए सिंहस्थ-2028 की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री यादव ने इस

बात पर जोर दिया कि मध्य प्रदेश नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है और कहा कि बस्तर पहले ऐसी गतिविधियों का गढ़ माना जाता था। उन्होंने कहा कि बस्तर में 26वीं केंद्रीय क्षेत्रीय परिषद की बैठक आयोजित करके देश में नक्सलवाद के अंत के संबंध में एक सशक्त राष्ट्रीय संदेश दिया गया है। मुख्यमंत्री ने पिछले सप्ताह राज्य में किए गए महत्वपूर्ण कार्यों और इस दौरान सरकार की उपलब्धियों पर भी चर्चा की। उन्होंने धार जिले के भोजशाला परिसर से संबंधित लंबे समय से चले आ रहे विवाद पर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि राज्य सरकार सभी संबंधित पक्षों की भावनाओं का सम्मान करते हुए न्यायालय के फैसले का कार्यान्वयन सुनिश्चित करेगी। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मां वागदेवी की मूल प्रतिमा को विदेश से वापस लाने के लिए केंद्र सरकार के साथ सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री यादव ने धान, ज्वार, बाजरा, कपास, तिल और सोयाबीन जैसी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि करने के लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस कदम से चल रहे किसान कल्याण वर्ष के दौरान किसानों को लाभ होगा। हाल ही में आयोजित भारत-फ्रांस सम्मेलन के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश कई क्षेत्रों में फ्रांस के साथ मिलकर काम करेगा। उन्होंने आगे कहा कि सम्मेलन में राजनयिकों, नीति निमार्ताओं, सीईओ और भारतीय और फ्रांसीसी कंपनियों के औद्योगिक प्रतिनिधियों सहित लगभग 150 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कोलकाता में अभिषेक बनर्जी की 43 संपत्तियां? भाजपा ने जारी की सूची, टीएमसी बोली- सब नकली है

कोलकाता: बंगाल भाजपा ने टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी से कथित तौर पर जुड़ी 43 संपत्तियों की सूची जारी की है, जिनमें से कई उनके सहयोगियों और परिवार के सदस्यों के साथ संयुक्त स्वामित्व में बताई जा रही हैं। सूत्रों ने बताया कि सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार स्वामित्व संबंधी विवरणों की विस्तृत जांच करेगी। यह घटनाक्रम टीएमसी नियंत्रित कोलकाता नगर निगम (केएमसी) द्वारा ममता बनर्जी के भतीजे से जुड़ी 17 संपत्तियों को नोटिस जारी करने के एक दिन बाद सामने आया है। तृणमूल कांग्रेस ने हालांकि इस सूची को झूठा और अविश्वसनीय बताकर खारिज कर दिया। सबसे ज्यादा चर्चा में रही है एक संयुक्त स्वामित्व वाली संपत्ति, जिसका संबंध "सयानी घोष" से है। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने अनुमान लगाया कि यह जादवपुर की सांसद सायनी घोष की संपत्ति हो सकती है। दस्तावेज में संपत्ति का पता 19ऊ

सेवन टैंक्स लेन बताया गया है। हालांकि, लोकसभा सांसद ने इस विवाद को सिरे से खारिज करते हुए इससे किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया। घोष ने ट्वीट किया कि मैं यह नहीं कह सकती कि यह कौन है, लेकिन यह निश्चित रूप से वह सायनी घोष नहीं हैं, जिन्होंने साधारण पृष्ठभूमि से शुरूआत की और राजनीति से आज तक कोई बड़ा मुनाफा नहीं कमाया। जो लोग बिना किसी सबूत के मुझे बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं - वे अभी रुक जाएं! उन्होंने आगे कहा कि कृपया जान लीजिए, मैं टस से मस नहीं होऊंगी, मैं इसे बर्दाश्त नहीं करूंगी। फर्जी खबर फैलाने के लिए कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह 'घोष' किसी के दबाव में नहीं आएगा।

अभिषेक बनर्जी की संपत्तियों की जांच के दायरे में सूची के अनुसार, कोलकाता के पॉश इलाकों में स्थित 43 संपत्तियां या तो संयुक्त स्वामित्व में हैं या अभिषेक बनर्जी के नाम पर हैं। हालांकि, यह ध्यान देने योग्य है कि इसमें यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि क्या ये डायमंड हार्बर के सांसद हैं। मालिकों के मोबाइल नंबर भी सूचीबद्ध हैं।

जनता को नसीहत, खुद विदेश दौरे पर, मुद्रा स्फीति पर पीएम मोदी को राहुल गांधी ने घेरा

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बढ़ते महंगाई और ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के बीच मितव्ययिता उपायों की घोषणा करने के बाद विदेश यात्रा पर जाने के लिए जमकर निशाना साधा और उन पर "भारत की आर्थिक व्यवस्था" को बेचने का आरोप लगाया। बहुजन स्वाभिमान सभा में सभा को संबोधित करते हुए गांधी ने प्रधानमंत्री की इस बात के लिए कड़ी आलोचना की कि उन्होंने देश की जनता को सोना न खरीदने और विदेश यात्रा न करने की सलाह दी, जबकि कुछ ही समय बाद वे पांच देशों के दौरे पर निकल पड़े। उन्होंने आगामी आर्थिक तूफान की अपनी चेतावनी को दोहराते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री और सरकार देश को बचाने में सक्षम नहीं होंगे। उन्होंने कहा, नरेंद्र मोदी जनता से कहते हैं: सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, इलेक्ट्रिक वाहन चलाओ। यह सब कहने के तुरंत बाद, नरेंद्र मोदी करोड़ों रुपये के विमान में सवार होकर विदेश रवाना हो जाते हैं, जबकि जनता चुपचाप देखती रहती है। इस बीच, देश में एक आर्थिक तूफान मंडरा रहा है। भीषण महंगाई होगी, हर चीज की कीमतें बढ़ेंगी और उर्वरकों की कमी होगी। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की आर्थिक व्यवस्था को बेच दिया है। उन्होंने भारत की आर्थिक व्यवस्था अंबानी, अडानी और अमेरिका के हाथों में सौंप दी है।

अब एक आर्थिक तूफान आने वाला है, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार आपको बचा नहीं पाएंगे। वे रोएंगे और कहेंगे कि यह मेरी गलती नहीं है। मैं आपको बता रहा हूं, गलती सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और आरएसएस की है क्योंकि उन्होंने इसे (संविधान को) नष्ट कर दिया है।

कैबिनेट में अन्नाद्रमुक का कोई बागी नहीं, सीपीएम और वीसीके की चेतावनी के बीच टीवीके ने सहयोगियों को दिया आश्वासन

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) ने विजय के नेतृत्व वाली कैबिनेट में एआईएडीएमके के बागी नेताओं को शामिल करने के मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट किया। यह घटना तमिलनाडु सीपीआई (एम) के सचिव पी. शनमुगम द्वारा जारी की गई कड़ी चेतावनी के एक दिन बाद हुई, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर एआईएडीएमके के बागी नेताओं को सरकार में शामिल किया गया तो उनकी पार्टी टीवीके को समर्थन देने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करेगी। पार्टी का रुख स्पष्ट करते हुए तमिलनाडु के मंत्री आधव अर्जुन ने कहा कि एआईएडीएमके विधायकों को मंत्रिमंडल में जगह नहीं दी जाएगी और इस संबंध में खबरें मात्र अटकलें हैं। गठबंधन के भविष्य के बारे में पूछे जाने पर अर्जुन ने कहा कि टीवीके के नेतृत्व वाला गठबंधन बरकरार है और मुख्यमंत्री विजय जल्द ही मंत्रिमंडल विस्तार करेंगे। उन्होंने डीएमके पर तमिलनाडु में सरकार बनाने के लिए

एआईएडीएमके के साथ गठबंधन करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए उसकी आलोचना भी की। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री चाहते हैं कि मंत्रिमंडल एक परिवार की तरह काम करे। वे चाहते हैं कि जिन पार्टियों ने समर्थन दिया है, उन्हें मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व मिलेङ्क डीएमके और एआईएडीएमके ने गठबंधन करने का प्रयास किया जो जनता के फैसले के खिलाफ थाङ्क चुनाव के दौरान, डीएमके ने कहा था कि एआईएडीएमके भाजपा के नियंत्रण में है, लेकिन बाद में अपनी ही विचारधारा को भुलाकर एआईएडीएमके के साथ गठबंधन की बातचीत की। कांग्रेस और वामपंथी दल संवैधानिक व्यवस्था की रक्षा के लिए एकजुट हुए। शनमुगम ने कहा कि सीपीआई (एम) और वीसीके ने संयुक्त रूप से यह निर्णय लिया था कि अगर एआईएडीएमके के बागी सदस्यों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाता है तो वे टीवीके के साथ अपने गठबंधन पर पुनर्विचार करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने विजय की सरकार को बाहर से समर्थन दिया है और वीसीके सरकार में शामिल होने या न होने का स्वतंत्र निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है। उन्होंने कहा कि हमने पहले ही स्पष्ट कर दिया है

रूस और चीन ने अमेरिका के खिलाफ बनाया नया प्लान! पुतिन और जिनपिंग की जोड़ी ने पलट दिया दुनिया का पावर गेम

नई दिल्ली एजेंसी: बीजिंग में आयोजित शिखर बैठक के दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने एक बार फिर अमेरिका केंद्रित वैश्विक व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की वकालत करते हुए कहा कि कुछ देश पूरी दुनिया पर अपना प्रभुत्व थोपने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ऐसी नीतियां अब असफल हो चुकी हैं। रूस और चीन ने बिना नाम लिए अमेरिका पर निशाना साधते हुए कहा कि दुनिया को औपनिवेशिक सोच और एकतरफा दबाव की राजनीति से खतरा पैदा हो रहा है। हम आपको बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे के ठीक बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी चीन पहुँचे और अपने मित्र राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ लंबी चर्चा की। बीजिंग में हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में दोनों नेताओं ने ऊर्जा, व्यापार, प्रौद्योगिकी और अंतरराष्ट्रीय रणनीति से जुड़े बीस से अधिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए। बैठक का सबसे बड़ा संदेश यही रहा कि रूस और चीन अब खुलकर पश्चिमी प्रभाव के मुकाबले साझा मोर्चा बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। संयुक्त घोषणा में दोनों देशों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के विखंडन और जंगल के कानून जैसी

स्थिति लौटने का खतरा पैदा हो रहा है। यह बयान सीधे तौर पर उस वैश्विक व्यवस्था पर हमला माना जा रहा है जिसका नेतृत्व लंबे समय से अमेरिका करता रहा है। शी जिनपिंग ने अपने संबोधन में कहा कि रूस और चीन को हर प्रकार की एकतरफा दबंगई और इतिहास को पीछे ले जाने वाली गतिविधियों का विरोध करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देश रणनीतिक स्तर पर और अधिक समन्वय बनाए रखेंगे तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में सहयोग को तेज करेंगे। दूसरी ओर पुतिन ने

बैठक के दौरान रूस और चीन ने लंबे समय से अटकी प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजना को आगे बढ़ाने पर भी सहमति जताई। साइबेरिया शक्ति दो नामक इस परियोजना को लेकर रूस के सरकारी प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि दोनों देशों के बीच सामान्य समझ बन चुकी है।

कहा कि रूस और चीन अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थिरता लाने वाली ताकतें हैं और दोनों स्वतंत्र विदेश नीति के लिए प्रतिबद्ध हैं। बैठक के दौरान रूस और चीन ने लंबे समय से अटकी प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजना को आगे बढ़ाने पर भी सहमति जताई। साइबेरिया शक्ति दो नामक इस परियोजना को लेकर रूस के सरकारी प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि दोनों देशों के बीच सामान्य समझ बन चुकी है, हालांकि कीमत और समयसीमा जैसे विषयों पर अभी अंतिम निर्णय होना बाकी है। यह परियोजना रूस के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों ने रूस के यूरोपीय ऊर्जा बाजार को काफी कमजोर कर दिया है। ऐसे में चीन अब रूस के लिए सबसे बड़ा और सबसे भरोसेमंद ऊर्जा साझेदार बनकर उभरा है। पुतिन ने कहा कि रूस चीन को ऊर्जा आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार है और दोनों देशों के आर्थिक संबंध अभूतपूर्व स्तर तक पहुंच चुके हैं। उन्होंने बताया कि रूस और चीन के बीच अधिकांश व्यापारिक लेनदेन अब रूबल और युआन में हो रहा है। इसे भी अमेरिका के प्रभाव वाले वैश्विक वित्तीय ढांचे को चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। दोनों देशों ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं और नई तकनीकों में भी व्यापक सहयोग की बात कही। हम आपको यह भी बता दें कि विशेषज्ञों का मानना है कि रूस और चीन की यह नजदीकी केवल आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अमेरिका और पश्चिमी देशों के बढ़ते दबाव के खिलाफ साझा रणनीतिक गठबंधन का संकेत भी है। चीन जहां रूस के साथ खड़ा दिखना चाहता है

संपादकीय

कोर्ट की सख्ती के मायने

इसमें दो राय नहीं कि स्थानीय निकायों द्वारा आवारा कुत्तों को हटाने के संबंध में विगत में दिए अपने निदेशों को नरम न करने का सर्वोच्च न्यायालय का हालिया निर्णय, बिगड़ते जन-सुरक्षा संकट में एक आवश्यक हस्तक्षेप है। हाल के वर्षों में, देश भर में स्थानीय प्रशासन व निकाय कुत्तों के काटने की घटनाओं में लगातार हो रही चिंताजनक वृद्धि को रोकने में विफल ही रहे हैं। ऐसे में शासन व प्रशासन स्तर पर इस समस्या के निराकरण की कोई सार्थक पहल न होते देख ही, शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा है। नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के अनुसार, साल 2023 में तीस लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले दर्ज किए गए थे। उसके अगले साल 2024 में रोकथाम के कोई ठोस प्रयास न होने के कारण 37 लाख मामले दर्ज किए गए। आंकड़े बता रहे हैं कि औसतन प्रतिदिन दस हजार घटनाएं सामने आ रही हैं। वहीं कई राज्यों व शहरों में इन घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। हाल ही में सामने आए केरल के आंकड़ों के अनुसार, वहां एक साल के भीतर ही 3.6 लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले सामने आए हैं। वहीं दूसरी दिल्ली से सटे नोएडा में कुछ ही महीनों में हजारों शिकायतों के बाद हॉटस्पॉट की पहचान की गई। इन शिकायतों में स्कूलों के पास उनका जमावड़ा होना, चलने में असमर्थ बुजुर्ग नागरिकों का शिकार बनना व आम नागरिकों के आवारा कुत्तों के भय में जीने के मामले उजागर हुए हैं। दरअसल, विगत में भी इस संकट के कारगर समाधान के लिये शीर्ष अदालत ने सख्त निर्देश दिए थे। स्थानीय नगर निगम व नगर पालिकाओं की जवाबदेही तय की थी कि कुत्तों को शेल्टर होम ले जाकर उनकी नसबंदी की जाए और टीकाकरण किया जाए। लेकिन इस दिशा में कारगर पहल होती नजर नहीं आई। वहीं तसवीर का दूसरा पहलू है कि यह संकट समाज और संस्थाओं द्वारा जानवरों के प्रति किए जाने वाले व्यवहार में परेशान करने वाली विफलता को भी दशार्ता है। पिछले दिनों चंडीगढ़ से एक स्तब्धकारी घटना ने हर किसी संवेदनशील व्यक्ति को विचलित किया,जब एक अज्ञात व्यक्ति ने एक पिल्ले को धधकते तंदूर में फेंककर जिंदा जला दिया। ऐसे शर्मनाक कृत्य उस भयावह क्रूरता को उजागर करते हैं, जो सार्वजनिक चचाओं में उजागर नहीं होती। इस घटना ने इन जीवों की दयनीय स्थिति को ही उजागर किया। वहीं भूख से बिलबिलाते कुत्तों द्वारा कथित तौर पर अपने ही बच्चों को खाने के मामले भी शामिल हैं। शीर्ष अदालत की इस टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है कि जानवरों के साथ मानवीय व्यवहार का मतलब नागरिकों की सुरक्षा की अनदेखी करना नहीं हो सकता। लेकिन इसके साथ ही जन सुरक्षा को पशु कल्याण की उपेक्षा का बहाना भी नहीं बनाया जा सकता है। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट द्वारा कानूनी रूप से जानवरों को स्थानांतरित करने पर दिए गए जोर के साथ अब आश्रय स्थलों, नसबंदी केंद्रों, टीकाकरण अभियानों और पशु चिकित्सा सुविधाओं में अधिक निवेश करने की सख्त जरूरत है। निश्चय ही यह चुनौती एक जटिल विषय है।

चिंतन-मनन

गतिशील रहें

एक यात्री जा रहा था। अंधेरी रात थी। उसे लम्बा रास्ता तय करना था। एक व्यक्ति ने उसे लालटेन देते हुए कहा, इसके प्रकाश में तुम अपना रास्ता देख पाओगे। मार्ग सुख से कटेगा। इसे ले जाओ। उस यात्री ने देखा कि लालटेन का प्रकाश तीन-चार फीट तक फैल रहा है। उसके मन में संदेह हुआ कि रास्ता बहुत लंबा है। प्रकाश केवल तीन-चार फीट तक ही पड़ता है। रास्ता पार कैसे कर पाऊंगा? वह उलझ गया और उलझता ही गया। वह बोला, तीन-चार फीट का प्रकाश मुझे दस मील की यात्रा कैसे करा पाएगा?

यह विधि को न समझने के कारण है। विधि को समझे बिना साधक उलझ जाते हैं। विधि को ठीक समझ लेते हैं तो तीन-चार फीट का प्रकाश दस मील की यात्रा करा सकता है। यह प्रकाश दस मील के पूरे पथ को प्रकाशित कर सकता है। आप चलते चलें, दस मील का रास्ता प्रकाशित हो जाएगा और यदि उसी बिन्दु पर खड़े रह गए तो दो फीट का रास्ता ही प्रकाशित होगा, शेष अंधकार ही अंधकार रहेगा। आवश्यकता है चलने की, सतत गतिशील रहने की। विधि को समझें और चलें। विधि को समझना ही पर्याप्त नहीं है, चलना भी पड़ेगा। आगे से आगे बढ़ना होगा। यदि नहीं चले, रूके रह गए तो प्रकाश जहां पड़ता है वहीं पड़ेगा, वह आगे नहीं बढ़ेगा। वह तभी बढ़ेगा, जब हम बढ़ेंगे। वह हमारे रूकने के साथ रूकेगा और बढ़ने के साथ बढ़ेगा। अभ्यास करते जाएं। आप अपनी मंजिल तक पहुंच जाएंगे। मंजिल स्वत: मिल जाएगी।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

हवाई यात्रा का एक अविस्मरणीय अनुभव:- आर एस आघात

13 मई 2026 को मैंने मुंबई से दिल्ली की यात्रा एयर इंडिया की फ्लाइट अ१ क्लर्ल्ी ऋ३ अक2240 से प्रारंभ की। यह यात्रा मेरे लिए केवल एक शहर से दूसरे शहर तक पहुँचने का साधन नहीं थी, बल्कि एक ऐसा अनुभव बन गई जिसने मानवता, संवेदनशीलता और सहयोग की एक जीवंत मिसाल प्रस्तुत की। मुंबई का Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport हमेशा की तरह यात्रियों की भीड़ और हवाई यातायात की व्यस्तता से भरा हुआ था। सुरक्षा जाँच और बोर्डिंग की प्रक्रिया पूरी करने के बाद मैं विमान में अपनी सीट पर जाकर बैठ गया। निर्धारित समय से लगभग तीस मिनट की देरी से विमान ने रनवे की ओर बढ़ना शुरू किया। जैसे ही विमान ने गति पकड़ी और आसमान की ओर उड़ान भरी, यात्रियों के चेहरों पर उत्साह और आनंद स्पष्ट दिखाई देने लगा। कुछ देर बाद विमान स्थिर ऊँचाई पर पहुँच गया। केबिन क्रू के सदस्य अपनी मुस्कान और विनम्रता के साथ यात्रियों की सेवा में जुट गए। सभी यात्रियों को भोजन और पेय पदार्थ वितरित किए जाने लगे। कोई चाय का आनंद ले रहा था, कोई कॉफी का, तो कोई स्वादिष्ट भोजन का। पूरे विमान में एक सुखद और शांत वातावरण था। हर कोई अपनी यात्रा का आनंद ले रहा था। लगभग एक घंटे की उड़ान बीत चुकी थी। अचानक विमान के बीच वाले हिस्से से हलचल की आवाज आने लगी। एक महिला यात्री की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। उन्हें साँस लेने में कठिनाई होने लगी। उनके पास बैठे सहयात्री ने तुरंत सहायता के लिए सीट के ऊपर लगे हेल्प बटन को दबाया। जैसा कि हर विमान यात्रा में उम्मीद की जाती है, केबिन क्रू स्टाफ बिना समय गंवाए तुरंत उस सीट तक पहुँचा। उन्होंने बड़ी तत्परता और संवेदनशीलता के साथ महिला यात्री की स्थिति को समझा। सबसे पहले उन्हें पानी पिलाया गया ताकि उनकी घबराहट कुछ कम हो सके। लेकिन जब स्थिति गंभीर दिखाई दी, तो तुरंत विमान में उपलब्ध ऑक्सीजन सिलेंडर लाया गया और महिला को ऑक्सीजन मास्क पहनाया गया। पूरा दृश्य देख कर विमान के अन्य यात्री भी चिंतित हो उठे। कुछ क्षणों के लिए विमान का वातावरण तनावपूर्ण हो गया। तभी केबिन क्रू ने विमान के सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली पर घोषणा की यदि इस विमान में कोई डॉक्टर, नर्स या चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ा व्यक्ति मौजूद हो, तो कृपया अपनी सीट से उठकर तत्काल सहायता प्रदान करें। घोषणा होते ही कुछ सीटों से लोग उठे। उनमें एक डॉक्टर और एक नर्स भी थे। वे तुरंत महिला यात्री के पास पहुँचे और उनकी स्थिति का परीक्षण करने लगे। डॉक्टर ने उनका ब्लड प्रेशर और नाड़ी जाँची, जबकि नर्स ने उन्हें शांत रहने के लिए प्रेरित किया। कुछ ही मिनटों में स्थिति धीरे-धीरे सामान्य होने लगी। विमान में बैठे सभी यात्रियों ने राहत की साँस ली। महिला यात्री के चेहरे पर अब कुछ सुकून दिखाई दे रहा था। उनके परिवार के सदस्य और आसपास बैठे यात्री बार-बार क्रू और डॉक्टर का धन्यवाद कर रहे थे। उस क्षण मुझे महसूस हुआ कि संकट की घड़ी में इंसानियत सबसे बड़ी ताकत होती है। वहाँ किसी की जाति, धर्म, भाषा या पहचान मायने नहीं रख रही थी–हर व्यक्ति केवल एक इंसान की मदद करने के लिए आगे बढ़ा था। कुछ समय बाद कप्तान ने घोषणा की कि महिला यात्री अब सुरक्षित हैं और विमान अपनी निर्धारित यात्रा जारी रखेगा। पूरे विमान में तालियों की गड़गड़ाहट गूँज उठी यह तालियाँ केवल डॉक्टर और केबिन क्रू के लिए नहीं थीं, बल्कि उस मानवता के लिए थीं जो आज भी हमारे भीतर जीवित है। जब विमान Indira Gandhi International Airport पर उतरा, तो मेरे मन में यह यात्रा केवल एक सफर नहीं रही, यह एक सीख बन चुकी थी कि तकनीक और आधुनिकता के इस युग में भी संवेदनशीलता, सहयोग और मानवता ही हमारी सबसे बड़ी पहचान है। दिल्ली के Indira Gandhi International Airport पर विमान के उतरते ही यात्रियों ने एक बार फिर राहत की साँस ली । जैसे ही विमान रनवे से टैक्सीवे की ओर बढ़ा, केबिन क्रू ने यात्रियों से अनुरोध किया कि सभी अपनी सीटों पर बैठे रहें ताकि पहले उस महिला यात्री को सुरक्षित बाहर निकाला जा सके। विमान के दरवाजे खुलने से पहले ही एयरपोर्ट मेडिकल टीम को सूचना दे दी गई थी। कुछ ही क्षणों में मेडिकल स्टाफ स्ट्रेचर और आवश्यक उपकरणों के साथ विमान के दरवाजे पर पहुँच गया। महिला यात्री को सावधानीपूर्वक विमान से बाहर लाया गया। उनके साथ उनके परिजन भी थे, जिनकी आँखों में चिंता के साथ-साथ राहत भी साफ दिखाई दे रही थी। जाते-जाते उन्होंने बार-बार केबिन क्रू, डॉक्टर और उन सभी यात्रियों का धन्यवाद किया जिन्होंने समय पर उनकी मदद की। उस क्षण विमान के भीतर एक अनोखा दृश्य था कुछ यात्री भावुक थे, कुछ के चेहरे पर संतोष था, और कुछ लोग चुपचाप उस घटना के बारे में सोच रहे थे। ऐसा लग रहा था मानो कुछ देर पहले जो लोग एक-दूसरे के लिए अजनबी थे, वे अब एक अदृश्य रिश्ते में बंध चुके हों। जब मैं विमान से बाहर निकला और एयरपोर्ट के गलियारे से गुजर रहा था, मेरे मन में कई विचार चल रहे थे। हम अक्सर यात्रा को केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचने का माध्यम समझते हैं, लेकिन कभी-कभी यही यात्राएँ हमें जीवन के गहरे पाठ पढ़ा जाती हैं। उस दिन मैंने सीखा कि मुसीबत बताकर नहीं आती, लेकिन मदद करने वाले हाथ अक्सर बिना बुलाए आगे आ जाते हैं। मैंने यह भी महसूस किया कि विमान के केबिन क्रू का कार्य केवल भोजन और पेय पदार्थ परोसना नहीं होता; वे हर परिस्थिति में यात्रियों की सुरक्षा और जीवन की रक्षा के लिए प्रशिक्षित होते हैं। उनका धैर्य, उनकी तत्परता और उनकी सेवा भावना वास्तव में प्रशंसनीय थी।

एयरपोर्ट से बाहर निकलते समय रात का आसमान शांत था, लेकिन मेरे भीतर विचारों का एक नया संसार जाग चुका था। मैंने मन ही मन उस महिला के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की और उन सभी लोगों को नमन किया जिन्होंने उस दिन इंसानियत का परिचय दिया। आज जब भी मैं किसी विमान को आसमान में उड़ते हुए देखता हूँ, मुझे वह यात्रा याद आ जाती है। 13 मई 2026 की वह उड़ान, जिसने मुझे सिखाया कि ऊँचाइयों पर उड़ते हुए भी इंसानियत जमीन से जुड़ी रहनी चाहिए। यात्राएँ केवल दूरी तय नहीं करतीं, वे अनुभवों और भावनाओं का संसार भी रचती हैं और यही इस यात्रा की सबसे सुंदर स्मृति है।

मेहनत की नींव पर टिकी दुनिया: मजदूरों के संघर्ष, योगदान और वर्तमान चुनौतियों की गाथा

कांतिलाल मांडोत

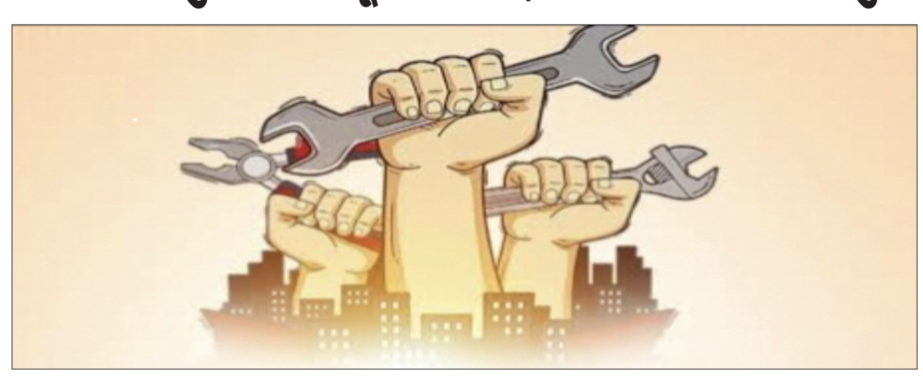

मानव सभ्यता के विकास की कहानी अगर ध्यान से पढ़ी जाए तो उसके हर पन्ने पर मजदूरों की मेहनत, पसीना और संघर्ष साफ दिखाई देता है। चाहे ऊंची-ऊंची इमारतें हों, विशाल पुल हों, फैक्ट्रियां हों या फिर खेतों में लहलहाती फसलें–हर जगह एक मजदूर की मेहनत छिपी होती है। फिर भी विडंबना यह है कि समाज के इस सबसे महत्वपूर्ण वर्ग को अक्सर वह सम्मान, सुरक्षा और सुविधाएं नहीं मिल पातीं, जिसके वे हकदार हैं। इसी सच्चाई को याद दिलाने और मजदूरों के अधिकारों को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए हर साल 1 मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है।

मजदूर दिवस केवल एक उत्सव नहीं है, बल्कि यह एक संघर्ष की याद है। यह उन दिनों की कहानी कहता है जब मजदूरों को 15-16 घंटे तक काम करना पड़ता था, बिना किसी निश्चित समय सीमा और बिना पर्याप्त वेतन के। 19वीं सदी के अंत में जब औद्योगिक क्रांति अपने चरम पर थी, तब मजदूरों की स्थिति अत्यंत दयनीय थी। ऐसे समय में उन्होंने अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाई और 8 घंटे कार्य दिवस की मांग की। यह मांग धीरे-धीरे एक बड़े आंदोलन में बदल गई, जिसने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज जो हमें 8 घंटे काम, 8 घंटे आराम और 8 घंटे अपने लिए का सिद्धांत मिलता है, वह इन्हीं संघर्षों की देन है।

भारत में मजदूरों की स्थिति भी अलग नहीं रही। आजादी से पहले और उसके बाद भी मजदूर वर्ग ने कई कठिनाइयों का सामना किया। 1 मई 1923 को भारत में पहली बार मजदूर दिवस मनाया गया, जिसने श्रमिक आंदोलनों को एक नई दिशा दी। इसके बाद धीरे-धीरे मजदूरों के अधिकारों के लिए कानून बनाए गए, जिनमें न्यूनतम मजदूरी, कार्य समय, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं। लेकिन कागजों पर बने ये नियम आज भी पूरी तरह जमीन पर लागू नहीं हो पाए हैं।

आज के समय में भी मजदूरों की स्थिति पूरी तरह संतोषजनक नहीं कही जा सकती। खासकर असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों को आज भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्हें नियमित रोजगार नहीं मिलता, वेतन अस्थिर होता है और सामाजिक सुरक्षा का अभाव रहता है। निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को देखें तो वे कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं, लेकिन उनके पास न तो उचित सुरक्षा उपकरण होते हैं और न ही स्वास्थ्य सुविधाएं।

ऊंची-ऊंची इमारतों के निर्माण में मजदूरों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। वे तपती धूप में, कड़कती सर्दी में और कभी-कभी बारिश में भी लगातार काम करते हैं। उनके बिना शहरों का विकास संभव ही नहीं है। लेकिन इन्हीं इमारतों के बनने के बाद अक्सर मजदूरों को वहां रहने का अधिकार नहीं मिलता। वे झुग्गियों या अस्थायी बस्तियों में रहने को मजबूर होते हैं, जहां बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव होता है।

सरकार ने मजदूरों की स्थिति सुधारने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है। इस योजना ने कई गरीब परिवारों को आर्थिक सहारा दिया है और उन्हें पलायन से भी रोका है। लेकिन इसके बावजूद कई बार इस योजना के क्रियान्वयन में खामियां देखने को मिलती हैं, जैसे समय पर भुगतान न होना या काम की कमी।

वैश्वीकरण और तकनीकी विकास ने मजदूरी के स्वरूप को भी बदल दिया है। आज के दौर में पारंपरिक मजदूरी के साथ-साथ गिग इकॉनमी और फ्रीलांसिंग जैसे नए विकल्प सामने आए हैं। हालांकि इससे कुछ लोगों को नए अवसर मिले हैं, लेकिन इससे रोजगार की स्थिरता कम हुई है। कई मजदूर अब ठेका प्रणाली के तहत काम करते हैं, जिससे उन्हें स्थायी नौकरी और उससे जुड़ी सुविधाएं नहीं मिल पातीं।

कोरोना महामारी ने मजदूरों की स्थिति को और भी कठिन बना दिया था। लॉकडाउन के दौरान लाखों मजदूरों को अपने काम से हाथ धोना पड़ा और उन्हें अपने गांवों की ओर पलायन करना पड़ा। यह दृश्य आज भी लोगों के मन में ताजा है, जब मजदूर सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलकर अपने घर पहुंचे थे। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि हमारे समाज में मजदूरों की स्थिति कितनी असुरक्षित है।

महिलाओं की स्थिति मजदूर वर्ग में और भी चुनौतीपूर्ण है। उन्हें पुरुषों के मुकाबले कम वेतन मिलता है और कई बार उन्हें दोहरी जिम्मेदारी निभानी पड़ती है,घर और काम दोनों की। इसके अलावा उन्हें कार्यस्थल पर सुरक्षा और सम्मान से जुड़ी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में महिलाओं के लिए विशेष नीतियों और सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है।

मजदूर दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि क्या हम वास्तव में अपने मजदूरों के प्रति न्याय कर पा रहे हैं? क्या उन्हें वह सम्मान, सुरक्षा और सुविधाएं मिल रही हैं, जिनके वे हकदार हैं? केवल एक दिन उन्हें सम्मान देने से काम नहीं चलेगा, बल्कि हमें पूरे साल उनके हितों के लिए काम करना होगा।

समाज और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है कि मजदूरों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। इसके लिए न केवल कानूनों को सख्ती से लागू करना होगा, बल्कि लोगों में जागरूकता भी बढ़ानी होगी। मजदूरों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देना और उन्हें संगठित करना भी जरूरी है, ताकि वे अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा सकें।

अंततः, मजदूर केवल एक वर्ग नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज की रीढ़ हैं। उनके बिना विकास की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसलिए हमें उनके योगदान को समझना होगा और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करना होगा। मजदूर दिवस हमें यही संदेश देता है कि सम्मान, समानता और न्याय केवल शब्द नहीं, बल्कि हर मजदूर का अधिकार है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

चीन-अमेरिका की निकटता से भारत के सामने वैश्विक चुनौतियाँ

दुनिया एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चचाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ। भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है।

आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, टैरिफ विवाद, तकनीकी प्रतिबंध और ताइवान से जुड़े तनावों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाला। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएँ टूट गईं, रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा संकट बढ़ाया और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। इन परिस्थितियों में यदि अमेरिका और चीन संवाद और सहयोग की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो इससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बल मिल सकता है।

विश्व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में देखा जाए तो अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होने से सबसे पहले वैश्विक बाजारों को राहत मिलेगी। निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा, आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होगा और इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, तकनीक तथा विनिर्माण क्षेत्रों में लागत घट सकती है। इससे महंगाई पर भी नियंत्रण संभव है। किंतु यह केवल तस्वीर का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष यह है कि यदि दोनों महाशक्तियाँ वैश्विक व्यापारिक नियमों और आर्थिक नीतियों को अपने हितों के अनुसार तय करने लगें तो छोटे देशों की आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। दुनिया पहले भी उपनिवेशवाद और आर्थिक नियंत्रण की राजनीति देख चुकी है, अब आशंका यह है कि कहीं आर्थिक वैश्वीकरण का नया स्वरूप महाशक्तियों के संयुक्त वर्चस्व में परिवर्तित न हो जाए। इसी संदर्भ में ह्लजी-2ह्व यानी अमेरिका और चीन केंद्रित विश्व व्यवस्था की चर्चा तेज हुई है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विश्व धीरे-धीरे बहुध्रुवीय व्यवस्था से हटकर दो महाशक्तियों के प्रभाव वाले ढाँचे की ओर बढ़ सकता है। यदि ऐसा हुआ तो वैश्विक नीतियों, व्यापारिक समझौतों और सुरक्षा संबंधी निर्णयों में छोटे देशों की भूमिका सीमित हो सकती है। यह स्थिति भारत जैसे देशों के लिए विशेष चिंता का विषय है क्योंकि भारत हमेशा से बहुध्रूवीय विश्व व्यवस्था और सामूहिक वैश्विक नेतृत्व का समर्थक रहा है।

भारत की स्थिति यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न तो पूरी तरह अमेरिकी खेमे में है और न ही चीन के प्रभाव क्षेत्र में। भारत ने लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाई है। अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीकी और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। क्वाड जैसे मंचों में भारत की सक्रिय भूमिका है। दूसरी ओर चीन भारत का पड़ोसी देश है और दोनों देशों के बीच सीमा विवादों के बावजूद व्यापारिक संबंध व्यापक हैं। यही कारण है कि अमेरिका और चीन की बढ़ती निकटता भारत के लिए केवल बाहरी घटना नहीं बल्कि रणनीतिक पुनर्मूल्यांकन का विषय है। भारत और चीन की तुलना करें तो चीन ने पिछले तीन दशकों में विनिर्माण, निर्यात, आधारभूत संरचना और तकनीकी उत्पादन के माध्यम से स्वयं को वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित किया। चीन की आर्थिक नीति केंद्रीकृत और तीव्र निर्णय क्षमता वाली रही है। इसके विपरीत भारत का विकास लोकतांत्रिक व्यवस्था, विविधता और संस्थागत संतुलन पर आधारित रहा है। भारत की शक्ति उसकी युवा आबादी, लोकतंत्र, सेवा क्षेत्र और डिजिटल क्षमता में निहित है, जबकि चीन की शक्ति विनिर्माण, निर्यात और पूंजी निवेश में रही है। अमेरिका के साथ चीन के संबंधों में सुधार होने की स्थिति में भारत के सामने यह चुनौती होगी कि वह अपनी आर्थिक और रणनीतिक उपयोगिता को और अधिक प्रभावशाली बनाए।

भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर ह्लचाइना प्लस वनह्व रणनीति में निहित है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पिछले वर्षों में चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में प्रयास किए हैं। अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ चीन के विकल्प के रूप में भारत, वियतनाम और अन्य देशों की ओर बढ़ी हैं। भारत यदि अपनी औद्योगिक नीतियों, आधारभूत संरचना, श्रम सुधार और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है तो वह वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बन सकता है। किंतु यदि भारत आवश्यक गति से सुधार नहीं कर पाया तो यह अवसर अन्य देशों के पास चला जाएगा। तकनीकी क्षेत्र में भी अमेरिका-चीन संबंधों का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और रेयर अर्थ मिनरल्स नई शक्ति राजनीति के केंद्र बन चुके हैं। अमेरिका तकनीकी श्रेष्ठता बनाए रखना चाहता है जबकि चीन तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। भारत इन दोनों के बीच एक तीसरे विकल्प के रूप में उभर सकता है, लेकिन इसके लिए अनुसंधान, नवाचार और शिक्षा में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी। भारत के पास प्रतिभा है, लेकिन प्रतिभा को वैश्विक नेतृत्व में बदलने के लिए दीर्घकालिक दृष्टि चाहिए।

भू-राजनीतिक दृष्टि से भी यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है। ताइवान, दक्षिण चीन सागर, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संकटों पर अमेरिका और चीन की भूमिका निर्णायक है। यदि दोनों देशों के बीच समझ बढ़ती है तो सैन्य टकरावों की आशंका कम हो सकती है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर होंगे और तेल की कीमतों में राहत मिल सकती है। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश के लिए यह अत्यंत लाभकारी स्थिति होगी। लेकिन यदि दोनों महाशक्तियाँ अपने प्रभाव विस्तार के लिए संकटों का उपयोग करती हैं तो विश्व अस्थिरता और बढ़ सकती है। भारत की विदेश नीति के लिए यह समय अत्यंत निर्णायक है। भारत को अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखते हुए चीन के साथ व्यावहारिक संबंधों का संतुलन बनाना होगा। साथ ही उसे वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों के नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी भूमिका और मजबूत करनी होगी। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जिस ह्लवन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचरह्व की अवधारणा प्रस्तुत की थी, वह भविष्य की विश्व व्यवस्था का वैकल्पिक मॉडल बन सकती है। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो अमेरिका और चीन जहाँ शक्ति संतुलन की राजनीति में उलझे हुए हैं, वहीं भारत सहअस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की नीति पर चल रहा है। अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा शक्ति प्रदर्शन पर आधारित है जबकि भारत का दृष्टिकोण विकास, मानवीय मूल्यों और वैश्विक साझेदारी पर केंद्रित रहा है। यही भारत की विशिष्टता और शक्ति है।

आज दुनिया में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि क्या अमेरिका और चीन मिलकर दुनिया को पुनः अपने प्रभाव क्षेत्र में बाँटने का प्रयास करेंगे? क्या छोटे देशों की भूमिका सीमित हो जाएगी? क्या फिर वही स्थिति बनेगी जब महाशक्तियाँ विश्व राजनीति को अपनी उँगलियों पर नचाती थीं? इन प्रश्नों के उत्तर भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन इतना निश्चित है कि आज की दुनिया शीत युद्ध काल की दुनिया नहीं है। भारत, जापान, यूरोपीय संघ, ब्राजील, आसियान और अफ्रीकी देशों का बढ़ता प्रभाव विश्व व्यवस्था को बहुध्रूवीय बनाए रखने में सक्षम है। भारत को इस बदलती परिस्थिति में अपने संकल्पों को सुदृढ़ करना होगा, विकास के नए मानक गढ़ने होंगे और अपनी रणनीतिक क्षमता को विस्तार देना होगा। क्योंकि बदलती दुनिया में प्रश्न यह नहीं है कि अमेरिका और चीन क्या करेंगे, बल्कि यह है कि भारत स्वयं को किस ऊँचाई पर स्थापित करेगा।

डीएम डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में हुआ किसान दिवस का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसान दिवस के दौरान किसानों ने बैंक, विद्युत विभाग, अंश निर्धारण, चकबंदी, सहकारिता, चीनी मिलों के भुगतान, राजस्व, पुलिस तथा सिंचाई विभाग से संबंधित अपनी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप किसानों की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए तथा सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ पारदर्शिता के साथ किसानों तक पहुंचे। जिलाधिकारी ने किसानों को आश्वासन देते हुए कहा कि जिला प्रशासन उनकी समस्याओं और जरूरतों के प्रति पूर्ण रूप से संवेदनशील है। प्राप्त सभी शिकायतों का गुण-दोष के आधार पर निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से हो, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, पीडी डीआरडीए अंबरीश कुमार, उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, अधिशासी अभियंता विद्युत, सिंचाई, ट्यूबवेल, बैंक अधिकारी, गन्ना विभाग, लोक निर्माण विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी तथा जनपद के विभिन्न किसान संगठनों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

प्राथमिक शिक्षक संघ ने शिक्षकों की समस्याओं और मांगों को लेकर जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. प्रथी सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से मुलाकात की और शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए उचित कदम उठाने की मांग की।सौंपे गए ज्ञापन में संघ ने मुख्य रूप से समायोजन प्रक्रिया में विसंगतियों और जनगणना कार्य में लगे शिक्षकों को प्रतिकर अवकाश देने का मुद्दा उठाया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमरोहा के 11 अगस्त 2025 के आदेश का हवाला देते हुए मांग की गई कि एकल शिक्षक और शिक्षक विहीन विद्यालयों से हटाए गए शिक्षकों को उनके मूल विद्यालय में वापस भेजा जाए। आगामी शिक्षक समायोजन में विषय और वरिष्ठता का पूरी तरह ध्यान रखा जाए। साथ ही, पूर्व में हुए समायोजन में वरिष्ठ शिक्षकों की जगह कनिष्ठ शिक्षकों के किए गए गलत समायोजन में तुरंत संशोधन किया जाए। संघ ने आरोप लगाया कि खंड शिक्षा अधिकारी हसनपुर द्वारा समायोजन प्रक्रिया में बार-बार अनियमितताएं बरती जा रही हैं, जिस पर रोक लगाना जरूरी है। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान जनगणना जैसे महत्वपूर्ण शासकीय कार्य में ड्यूटी पर लगाए गए शिक्षक-शिक्षिकाओं को इसके बदले प्रतिकर अवकाश दिया जाए। इस अवसर पर अमरोहा के ब्लॉक अध्यक्ष विपिन चौहान, हसनपुर के ब्लॉक अध्यक्ष होमपाल सिंह चौहान, गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह,धनौरा के ब्लॉक अध्यक्ष योगेश चौधरी,विपिन पंघाल, जागेश चौधरी, सर्वेश चौहान, मेघराज सिंह, अखिलेश चौहान और भूपेन्द्र सिंह आदि शिक्षक मौजूद रहे।

ओ' लेवल एवं सी0सी0सी0 कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना के लिए करें आनलाइन आवेदन

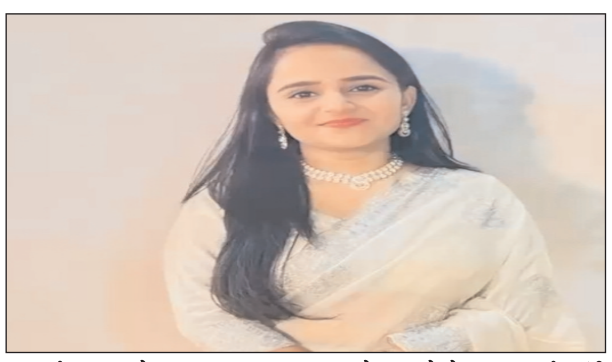

अमरोहा (सब का सपना):- जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी अलका चौधरी ने जानकारी देते हुए कहा कि पिछडा वर्ग के बेरोजगार युवक / युवतियों के लिए संचालित 'ओ' लेवल एवं सी०सी०सी० कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु आनलाइन संचालित होनी है। वर्ष 2026-27 में इस योजना के अन्तर्गत भारत सरकार की अधिकृत संस्था नीलिट से "ओ" लेवल कम्प्यूटर प्रशिक्षण एवं "सीसीसी" कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु मान्यता प्राप्त संस्थाओं (आवेदन की अंतिम तिथि तक संस्था की मान्यता वैलिड हो) द्वारा अन्य पिछडे वर्ग के युवक/युवतियों को 'ओ' लेवल एवं सी०सी०सी० कम्प्यूटर प्रशिक्षण कराने हेतु संबंधित जनपद में आवेदन किया जा सकता है। आनलाइन आवेदन किये जाने तिथि 20 मई, 2026 से 03 जून, 2026 तक होगी। पिछडा वर्ग कल्याण विभाग उ०प्र० की विभागीय वेबसाईट-backward welfareup. gov.in/obccom putertraining. upsdc. gov.in पर दिये गये लिंक पर ऑनलाइन आवेदन किया जाना एवं मान्यता से संबंधित अभिलेखों व आधारभूत ढाँचे तथा दिये गये प्रारूप पर नोटरी शपथ-पत्र का विवरण अपलोड करने के साथ हार्ड कॉपी निदेशालय, पिछडा वर्ग कल्याण, इन्दिरा भवन, लखनऊ / संबंधित जिला पिछडा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय अमरोहा में उपलब्ध कराया जाना के साथ-साथ निर्धारित प्रारूप पर संस्था द्वारा आनलाइन आवेदन किया जा सकता है। इस दिशा-निर्देश/समय-सारणी उक्त वेबसाईट पर प्रदर्शित कर दी गई है। आवेदन करने के उपरान्त संस्था द्वारा आनलाइन भरे गये आवेदन की प्रति डाउनलोड कर प्रिन्ट आउट प्राप्त कर हस्ताक्षरित करते हुए समस्त अभिलेखों तथा उपलब्ध संसाधनों से संबंधित विवरण सहित निदेशक, पिछडा वर्ग कल्याण उ०प्र० 10वां तल, इन्दिरा भवन, लखनऊ-226001 के कार्यालय में 03 जून, 2026 सांय 05:00 बजे तक अनिवार्य रूप से हार्डकापी में उपलब्ध करायी जायेगी।
संस्था द्वारा आनलाइन आवेदन में भरी गई सूचना एवं उपलब्ध कराये गये अभिलेखों का परीक्षण तथा संस्था की आधारभूत संरचनाओ का भौतिक सत्यापन कराते हुए निदेशक, पिछडा वर्ग कल्याण की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु संस्थाओं का चयन किया जायेगा।

अमरोहा में मनाया गया 'नो व्हीकल डे' अधिकारी पैदल पहुंचे कार्यालय

अमरोहा (सब का सपना):- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आह्वान पर बुधवार को अमरोहा जिले में 'नो व्हीकल डे' धूमधाम से मनाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पेट्रोल-डीजल जैसी तेल की खपत कम करना, पर्यावरण संरक्षण और वायु प्रदूषण पर नियंत्रण है। इस दौरान मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आभा दत्त और जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने वाहन का उपयोग किए बिना अपने आवास से पैदल ही कार्यालय पहुंचकर मुहिम में भाग लिया। जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने इस अवसर पर बताया कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार की मंशा है कि तेल का प्रयोग कम किया जाए। इसी के उपलक्ष्य में दोनों अधिकारियों ने आज अपने आवास से लेकर कार्यालय तक पैदल यात्रा की और तेल की खपत कम करने का संदेश दिया। डॉ. आभा दत्त और पारुल सिसोदिया ने कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से बड़ी बदलाव लाए जा सकते हैं। पैदल चलने से स्वास्थ्य को भी फायदा होता है और पर्यावरण स्वच्छ रहता है। अमरोहा जिले में लोगों ने इस मुहिम का व्यापक स्वागत किया है।

जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने अस्पताल पहुंचकर सड़क हादसे के घायलों की स्वास्थ्य स्थिति जानी

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ जिले के गजरौला थाना क्षेत्र में दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-9) पर हुए सड़क दुर्घटना के घायलों का हाल जानने के लिए चौधरपुर स्थित अस्पताल पहुंचे। डॉ. नितिन गौड़ ने अस्पताल पहुंचकर पश्चिम बंगाल निवासी घायलों मोहम्मद हसनैन पुत्र अजमल और सुन्नतुल इस्लाम पुत्र शमी उल शेख से बातचीत की। उन्होंने डॉक्टरों से घायलों की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली, उनके इलाज के बारे में विस्तार से चर्चा की और डॉक्टरों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अमरोहा पुलिस ने चलाया बच्चों की सुरक्षा के लिए विशेष जागरूकता अभियान

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देशन में थाना धनौरा पुलिस ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया। गर्मी एवं बरसात के मौसम को देखते हुए नहर, नदी, तालाब, खदान एवं अन्य जलभराव वाले स्थानों पर होने वाली दुर्घटनाओं से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए यह अभियान शुरू किया गया। अभियान के तहत पुलिस टीम ने गांव-गांव जाकर लोगों को एकत्रित कर लगातार जागरूक किया। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में माइक अनाउंसमेंट, ई-रिक्शा, पम्पलेट वितरण एवं जनसंपर्क के माध्यम से लोगों को सतर्क रहने हेतु प्रेरित किया गया। पुलिस ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों पर विशेष निगरानी रखें तथा उन्हें नहर, तालाब, नदी, नाले एवं खदानों के आसपास अकेले न जाने दें। ग्राम प्रधानों, स्कूल संचालकों एवं संभ्रांत नागरिकों के सहयोग से भी लोगों को जागरूक किया गया, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचाव किया जा सके। जलभराव वाले स्थानों को चिन्हित कर लोगों को सतर्क रहने एवं बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया गया। थाना धनौरा पुलिस ने आमजन से अपील की कि किसी भी संदिग्ध अथवा जोखिमपूर्ण स्थिति की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस अथवा आपातकालीन सेवा 112 पर दें।

जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने अस्पताल पहुंचकर सड़क हादसे के घायलों की स्वास्थ्य स्थिति जानी

अमरोहा (सब का सपना):- सुभासपा के प्रदेश उपाध्यक्ष बलराज सिंह प्रजापति ने आयोजित जनचौपाल में लोगों को संबोधित किया। उन्होंने दो जून को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित होने वाली सामाजिक समरसता महारैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महारैली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। अमरोहा जनपद से करीब बीस बसों/अपने निजी वाहनो के माध्यम से कार्यकर्ता और समर्थक दिल्ली रवाना होंगे। जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी हमेशा गरीब, पिछड़े, दलित और वंचित समाज की आवाज उठाने का कार्य करती रही है। पार्टी सामाजिक भाईचारे और समरसता को मजबूत करने के लिए लगातार गांव-गांव जनसंपर्क अभियान चला रही है। उन्होंने कार्यकताओं से महारैली को सफल बनाने की अपील की। सभी जगह पर लोगों ने समर्थन की बात कही बैठक में जिलाध्यक्ष अमरोहा सत्यपाल तोमर, , मतलूब अंसारी मोहम्मद शफी, मोहम्मद नाजिम, आदेश अमरोही, डॉ. जगत सिंह गुर्जर, सुमित रस्तोगी इस्लामुद्दीन इदरीसी, बाबू खां, शेर खान, शाहरुख सैफी, प्रशांत कुमार, पवन कुमार, जमालुद्दीन, कमर आलम, बाबूराम शमशाद एहसान इंतेकाम इंतखाब मोहम्मद नईम राशिद नफीस अहमद तंजीम अहमद आदि मौजूद रहे।

गजरौला NH-9 पर हादसा,चलते ट्रक में घूसी कार,4 की मौत,2 घायल,मरने वालों में 3 पश्चिम बंगाल के शामिल

अमरोहा एसपी ने पुलिस बल के साथ किया घटनास्थल का निरीक्षण

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला औद्योगिक नगरी के नेशनल हाईवे 9 पर बुधवार की तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया जिसमें चार लोगों की मौके पर मौत हो गई एवं दो अन्य घायल हो गए। मरने वालों में तीन लोग पश्चिम बंगाल के बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह हादसा थाना क्षेत्र के गांव ख्यालीपुर ढाल के निकट उसे समय हुआ जब एक तेज रफ्तार वेगनार कार आगे चल रहे ट्रक के पीछे से जाकर टकरा गई ,टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई व दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में घायल लोगों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। बता दें कि मृतकों में नसीमुल हासिम मासूक शामिल हैं, जो पश्चिम बंगाल के निवासी थे और बनारस स्थित एक मदरसे में पढ़ाई कर रहे थे। बताया जा रहा है कि वे बरेली घूमने आए थे और वहां से कई साधनों के माध्यम से यात्रा करते हुए बनारस लौट रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हो गया।घायलों की पहचान सुन्नत पुत्र नामालूम और हसनेन पुत्र अजमल के रूप में हुई है, जिन्हें गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।प्रारंभिक जांच के अनुसार, कार संभवतः तेज रफ्तार में थी और चालक को नींद की झपकी आने के कारण वाहन अनियंत्रित हो गया। इसके बाद कार आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। हादसा होते ही मौके पर चीख पुकार मच गई, उधर स्थानीय लोगों एवं राहगीरों का हाईवे पर जमावड़ा लग गया जिस कारण यातायात भी कुछ समय के लिए बाधित हुआ वहीं इस हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक अमरोहा भी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गये जिन्होंने घटना स्थल का निरीक्षण किया और घटना के संबंध में पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा घायलों को शीघ्र एवं समुचित उपचार उपलब्ध कराने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।पुलिस द्वारा राहत एवं बचाव कार्य तत्परता के साथ कराया गया तथा दुर्घटना के संबंध में आवश्यक विधिक कार्यवाही प्रचलित की गई।हालांकि इस घटना के मामले पुलिस ने स्पष्ट किया है कि हादसे के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले तकनीकी और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों का अध्ययन किया जाएगा।हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और लंबा जाम लग गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दुर्घटना के बाद फरार हुए अज्ञात वाहन चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

धनौरा रामगंगा पोषक नहर में डूबे किशोर का शव चौथे दिन बरामद

चार दिन के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद मिली सफलता, परिवार में मातम

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा थाना क्षेत्र की रामगंगा पोषक नहर में चार दिन पहले डूबे एक 17 वर्षीय किशोर का शव बुधवार को चौथे दिन बरामद कर लिया गया। रेस्क्यू टीम द्वारा 4 दिन के सर्च ऑपरेशन के बाद किशोर का शव बरामद किया गया। शव मिलने के बाद परिवार में मातम छा गया और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। उधर शव बरामद होने के बाद प्रशासन ने भी राहत की सांस ली।
बता दें कि यह घटना शाहपुर रझेडा गांव के पास रविवार को हुई थी। गांव निवासी जसरुद्दीन सैफी का पुत्र तसव अपने साथियों के साथ रामगंगा पोषक नहर के साइफन पर नहाने गया था। इसी दौरान तेज बहाव के कारण उसका संतुलन बिगड़ गया और वह गहरे पानी में बह गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने शोर मचाकर बचाने की कोशिश की, लेकिन तेज धारा के कारण किशोर पानी में लापता हो गया। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंच गई थी और तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया।शुरूआत से ही एसडीएम शैलेश कुमार दुबे, तहसीलदार मूसराम थारू, नायब तहसीलदार राजपाल सिंह, कानूनगो मनोज कुमार और थाना प्रभारी अमरपाल सिंह की निगरानी में एनडीआरएफ और पुलिस की टीमें लगातार चार दिनों तक तलाश में जुटी रहीं।बुधवार सुबह करीब 9 बजे शव घटनास्थल से कुछ दूरी पर लौहड्डा पालनपुर पुल के पास पानी में तैरता हुआ मिला। शव मिलते ही पुलिस ने उसे कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।तशव अपने दो भाइयों और दो बहनों में सबसे बड़ा था। उसकी मौत से परिवार पूरी तरह टूट गया है। वहीं पुलिस ने लोगों से अपील की है कि नहर के तेज बहाव में नहाने से बचें, क्योंकि ऐसी लापरवाहियां जानलेवा साबित हो रही हैं।

आंधी-तूफान से फसलों को नुकसान मुआवजे के लिए दो दिनों में आवेदन करें किसान

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- क्षेत्र में आई तेज आंधी और तूफान के कारण बागवानी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन और उद्यान विभाग एक्शन मोड में आ गया है। प्रभारी जिला उद्यान अधिकारी सौरभ बंसल ने प्रभावित किसानों से अपील की है कि वे अपनी फसलों को हुए नुकसान की सूचना और मुआवजा संबंधी प्रार्थना पत्र अगले दो दिनों के भीतर कार्यालय में जमा करा दें, ताकि आगे की राहत कार्रवाई शुरू की जा सके।अधिकारी के मुताबिक जिन किसानों की बागवानी फसलों को नुकसान पहुंचा है, वे आवेदन कर सकते हैं। फल आम, अमरूद, केला और पपीता सब्जियाँः टमाटर, लौकी, तोरई, फूलगोभी, बैंगन, शिमला मिर्च, भिंडी और खीरा आदि। किसान भाई अपने नुकसान की लिखित सूचना और प्रार्थना पत्र जमा कर सकते हैं। कार्यालय, जिला उद्यान अधिकारी (बीनसन शुगर मिल्स के सामने, मझावली,

बहजोई चंदौसी रोड, सम्भल आगामी दो दिनों के भीतर, दस बजे से शाम पांच बजे तक। यदि किसान भाइयों को आवेदन करने या किसी अन्य प्रक्रिया में समस्या आ रही है, तो वे अधिक जानकारी के लिए सहायक उद्यान निरीक्षक मौ. आमिर से या सीधे जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय में जाकर मिल सकते हैं।

मंडी धनौरा में ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफ केमिस्टों ने खोला मोर्चा, कहा-डीप डिस्काउंट से खत्म हो रहा कारोबार

PM नरेंद्र मोदी के नाम तहसीलदार मूसाराम थारू को सौंपा ज्ञापन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में बुधवार को अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री और दवा कंपनियों की कथित मनमानी नीतियों के विरोध में दवा विक्रेताओं का गुस्सा खुलकर सामने आया। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ कैमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (अक्डउऊ) के आह्वान पर क्षेत्र के सभी मेडिकल स्टोर बंद रहे, जिससे पूरे कस्बे में दवा आपूर्ति प्रभावित हो गई। हड़ताल के दौरान दवा विक्रेताओं ने तहसील परिसर में प्रदर्शन कर केंद्र सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई और तहसीलदार मूसराम थारु को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा। बता दें कि मंडी धनौरा केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के सचिव गंगाधर रुहेला ने कहा कि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 में ऑनलाइन दवा बिक्री का कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। इसके बावजूद बड़ी कॉर्पोरेट और क्विक कॉमर्स कंपनियां फर्जी ई-प्रिस्क्रिप्शन के जरिए घर-घर दवाइयां पहुंचा रही हैं।उन्होंने आरोप लगाया कि बिना डॉक्टर की उचित जांच और सत्यापन के दवाओं की डिलीवरी जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। उनका कहना है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स मरीजों की सुरक्षा से ज्यादा मुनाफे पर ध्यान दे रहे हैं।दवा विक्रेताओं ने कहा कि ऑनलाइन कंपनियां भारी छूट देकर बाजार पर कब्जा करने की कोशिश कर रही हैं। एसोसिएशन का आरोप है कि बहुराष्ट्रीय कंपनियां ह्यप्रिडेटरी प्राइसिंगह्न के जरिए पारंपरिक मेडिकल स्टोरों को खत्म करने की रणनीति अपना रही हैं।केमिस्टों का कहना है कि छोटी दुकानों के लिए इस असमान प्रतिस्पर्धा में टिक पाना मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यही स्थिति रही तो हजारों छोटे दवा कारोबारियों का रोजगार संकट में पड़ जाएगा।प्रदर्शन कर रहे दवा विक्रेताओं ने आरोप लगाया कि कंपनियां पुरानी अधिसूचनाओं ॠफ 817ए और ॠफ 220ए का गलत फायदा उठा रही हैं। उनका कहना है कि ये अधिसूचनाएं विशेष परिस्थितियों के लिए जारी की गई थीं, लेकिन अब इन्हें स्थायी व्यापारिक मॉडल की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है।एसोसिएशन ने सरकार से मांग की कि इन अप्रासंगिक हो चुकी अधिसूचनाओं को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए ताकि दवा व्यापार में पारदर्शिता बनी रहे।ज्ञापन के माध्यम से दवा विक्रेताओं ने केंद्र सरकार के समक्ष चार प्रमुख मांगें रखीं। इनमें ऑनलाइन दवा बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध, बिना सत्यापित डॉक्टर के पर्चे के दवाओं की होम डिलीवरी को गैर-कानूनी घोषित करना, पुरानी अधिसूचनाओं को वापस लेना और अत्यधिक छूट नीति पर रोक लगाना शामिल है।दवा व्यापारियों ने कहा कि यदि सरकार ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाए तो आने वाले समय में यह समस्या और गंभीर रूप ले सकती है।पदाधिकारियों ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान जब पूरा देश घरों में बंद था, तब छोटे केमिस्टों ने अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों तक दवाइयां पहुंचाईं। अब वही छोटे व्यापारी अपने अस्तित्व को बचाने की लड़ाई लड़ने को मजबूर हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। इस दौरान गंगाधर रूहेला, टिंकू सैनी, धर्मेंद्र सैनी, संजय किशोर, अफजाल सैफी, आदित्य शर्मा, मयंक मुदगल, फैजान मलिक, सौरभ सैनी, गुलाब सिंह और यशपाल सिंह समेत बड़ी संख्या में दवा विक्रेता मौजूद रहे।

डिजिटल लाइब्रेरी एवं कक्ष निर्माण हेतु विधिवत रूप से भूमि पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया

बुलंदशहर (सब का सपना):- हजरतपुर स्थित छत्रपति शिवाजी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में डिजिटल लाइब्रेरी एवं कक्ष निर्माण हेतु विधिवत रूप से भूमि पूजन कार्यक्रम का आयोजन कर आधारशिला रखी गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एमएलसी चंद शर्मा, विद्यालय के अध्यक्ष हितेश गर्ग, प्रबंधक एडवोकेट मनोज नारायण बेरी, रमेश पांडे, रामकिशन, सोनू पाठक आदि गणमान्य उपस्थित रहे। विद्यालय की प्रधानाचार्या हर्षिता सांगवान ने बताया कि भौतिक एवं डिजिटल लाइब्रेरी होने से सभी छात्र/छात्राओं को विषयी सामग्री एकत्र करने में सुगमता रहेगी जिससे वे सभी अपने अधिगम की ओर अग्रसर होंगे। विद्यालय के अध्यक्ष हितेश गर्ग ने एमएलसी चंद शर्मा के साथ आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

भाजपा प्रशिक्षण शिविर में संगठन और विचारधारा पर जोर

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के तहत दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ खुर्जा स्थित भारतीय जनता पार्टी के कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने दीप प्रज्वलन कर किया। उन्होंने कहा कि एकात्म मानव दर्शन और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद भाजपा की वैचारिक शक्ति का आधार हैं तथा पार्टी राष्ट्र सेवा के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। शिविर में अनूप गुप्ता, गोपाल कृष्ण अग्रवाल और हर्ष चतुर्वेदी ने कार्यकताओं को संगठन, विचारधारा, मीडिया और सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग पर प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने की। शिविर में 11 सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें पार्टी की विचारधारा, संगठन विस्तार और जनसंपर्क से जुड़े विषयों पर चर्चा होगी। बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्राधिकरण की बड़ी कार्रवाई, मामन रोड पर कई अवैध कॉलोनियां ध्वस्त

खुर्जा/बुलन्दशहर (सब का सपना):- खुर्जा विकास प्राधिकरण ने पुलिस बल की मौजूदगी में मामन रोड स्थित कौलसेना, नीमखेड़ा और गियासपुर क्षेत्र में विकसित की जा रही कई अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। अभियान के दौरान करीब 61 बीघा क्षेत्र में की जा रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। प्राधिकरण की उपाध्यक्ष डॉ. अपराजिता सिंह सिनसिनवार के निर्देशन में यह अभियान चलाया गया। उन्होंने लोगों से बिना स्वीकृत मानचित्र के निर्माण न करने और अवैध कॉलोनियों में भूखंड खरीदने से बचने की अपील की।

भाषा समर कैम्प में इतिहास और भूगोल की दी जानकारी

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पला कशेर में चल रहे भाषा समर कैंप के छठे दिन छात्राओं को इतिहास और भूगोल के अंतर्गत नदियों, पर्वतों एवं ऐतिहासिक स्मारकों की जानकारी दी गई। छात्राओं ने स्मारकों के चित्र बनाए और स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से संबंधित वीडियो भी देखे। प्रभारी प्रधानाचार्य अखलेश कुमार ने बताया कि समर कैंप से छात्राओं को ऐतिहासिक धरोहरों व भौगोलिक विषयों की उपयोगी जानकारी मिल रही है।

भीषण गर्मी में अघोषित बिजली कटौती से ग्रामीण बेहाल ,कर्मचारियों पर फोन न उठाने का आरोप

बहजोई/संभल (सब का सपना):- भीषण गर्मी के इस मौसम में ग्रामीण इलाकों में बिजली की अघोषित और अनियमित कटौती ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। विद्युत उपखण्ड बहजोई के अंतर्गत आने वाले ग्राम मुल्हैटा में बिजली की भारी किल्लत से आम जनता और किसान बेहद परेशान हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्युत उपकेंद्र बिसारू के कर्मचारियों और जूनियर इंजीनियर का रवैया जनता के प्रति बेहद निराशाजनक है। इस गंभीर समस्या को लेकर राजीव गांधी पंचायती राज संगठन (उ प्र कांग्रेस) के जिला अध्यक्ष पवन कुमार कठेरिया ने एस डी ओ बहजोई को एक शिकायती पत्र सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। एसडीओ को सौंपे गए पत्र में जिला अध्यक्ष ने बताया कि मुल्हैटा गाँव को विद्युत उपकेंद्र बिसारू से बिजली आपूर्ति की जाती है। पिछले कुछ समय से इस क्षेत्र में अत्यधिक और अनियमित कटौती की जा रही है। भीषण गर्मी के इस दौर में घंटों बिजली गायब रहने से जहाँ एक ओर आम जनता का घरों में बैठना दूभर हो गया है, वहीं दूसरी ओर किसानों की खेती और सिंचाई कार्य भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। शिकायत में बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यशैली पर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं। बिजली कटौती की शिकायत के लिए जब भी ग्रामीण क्षेत्रीय जूनियर इंजीनियर (खए) या उपकेंद्र के अन्य कर्मचारियों को फोन करते हैं तो वे अक्सर फोन रिसीव नहीं करते। यदि कोई ग्रामीण अपनी समस्या लेकर सीधे बिसारू उपकेंद्र पहुंचता है, तो वहाँ तैनात कर्मचारी और जेई शिकायतों पर ध्यान देने के बजाय ग्रामीणों के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं और उन्हें वहां से भगा देते हैं। विद्युत कार्यालय के कर्मचारियों का व्यवहार आम जनता के प्रति बिल्कुल भी संतोषजनक नहीं है। अधिकारी अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे हैं और जनता गर्मी में तड़पने को मजबूर है। संगठन ने एस डी ओ से इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने और ग्राम मुल्हैटा में सुचारू रूप से बिजली आपूर्ति बहाल कराने की पुरजोर मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो वे धरना देने के लिए मजबूर होंगे।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला लापता, हत्या की आशंका पर हंगामा

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के गांव बेरखेड़ा में 35 वर्षीय पिंकी देवी पत्नी सुनील कुमार रविवार रात से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। महिला के मायके पक्ष ने पति व ससुराल वालों पर हत्या कर शव ठिकाने लगाने का आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बताया गया कि पिंकी देवी की तबीयत खराब होने की बात कहकर पति सुनील कुमार व ससुराल वालों ने उसे आईसीयू में भर्ती कराने की जानकारी दी थी, लेकिन किसी भी अस्पताल का नाम नहीं बताया। इस पर मायके पक्ष को शक हुआ। बुधवार सुबह महिला के पिता ओमप्रकाश व अन्य स्वजन अफजलगढ़ थाना क्षेत्र के गांव अनवरपुर चंडिका से बेरखेड़ा पहुंचे तो आरोप है कि पति व ससुराल पक्ष के लोग घर छोड़कर फरार हो गए। पुलिस महिला की तलाश में जुटी हुई है। वहीं पति व अन्य ससुराल पक्ष के लोगों की तलाश भी की जा रही है।

सिविल लाइन में खंभे का तार गिरने से कार जली, टला बड़ा हादसा

बिजनौर (सब का सपना):- नगर के पॉश इलाके सिविल लाइन में बुधवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब बिजली के खंभे में हुए जोरदार फॉल्ट के बाद एलटी लाइन का टूटता हुआ तार नीचे खड़ी कार पर आ गिरा। तार गिरते ही कार धूं-धूं कर जलने लगी। घटना पेट्रोल पंप के बिल्कुल नजदीक होने के कारण मौके पर हड़कंप मच गया और सड़क के दोनों ओर वाहनों का लंबा जाम लग गया। प्रतीक जैन पेट्रोल पंप के पास हुई इस घटना में एक बड़ी तबाही आ सकती थी, लेकिन वहाँ मौजूद पेट्रोल पंप के कर्मचारियों ने अदम्य साहस और सूझबूझ का परिचय दिया। कर्मचारियों ने तत्काल अपने यहाँ रखे फायर सिलेंडरों (अग्निशामक यंत्रों) की मदद से कार में लगी आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिया। इसके साथ ही तुरंत बिजलीघर को सूचना देकर लाइन की विद्युत सप्लाई बंद कराई गई, जिससे एक बहुत बड़ा हादसा होने से टल गया।

इस हादसे में सड़क किनारे खड़ी स्विफ्ट कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के दौरान कलेक्ट्रेट मार्ग पर काफी देर तक राहगीरों और स्थानीय दुकानदारों में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने घने रिहायशी और व्यावसायिक क्षेत्र में जर्जर तारों को न बदलने पर बिजली विभाग की कार्यप्रणाली के खिलाफ गहरा आक्रोश व्यक्त किया है।

दवा बाजार में पसरा सन्नाटा, ऑनलाइन बिक्री के खिलाफ विरोध तेज

बिजनौर (सब का सपना):- ऑनलाइन दवाइयों की बिक्री के विरोध में बुधवार को बिजनौर जिले में मेडिकल स्टोर बंद रहे, जिससे शहर के प्रमुख बाजारों में सन्नाटा पसरा नजर आया। दवा बाजार सहित कई इलाकों में अधिकांश मेडिकल स्टोरों के शटर बंद रहे। अचानक हुए बंद के कारण दवा लेने पहुंचे मरीजों और उनके परिजनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई लोग जरूरी दवाइयों के लिए इधर-उधर भटकते दिखाई दिए। दवा व्यापारियों और मेडिकल स्टोर संचालकों ने एकजुट होकर ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। व्यापारियों का कहना है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के कारण छोटे मेडिकल कारोबारियों पर आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। उनका आरोप है कि बड़ी ऑनलाइन कंपनियां भारी छूट देकर खुदरा व्यापार को नुकसान पहुंचा रही हैं, जिससे स्थानीय मेडिकल स्टोरों का अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है।

व्यापारियों ने मरीजों की सुरक्षा को भी बड़ा मुद्दा बताया। उनका कहना है कि ऑनलाइन खरीदी जाने वाली दवाइयों की गुणवत्ता और प्रामाणिकता की सही जांच आम उपभोक्ता नहीं कर सकता। ऐसे में नकली या गलत दवा मिलने का खतरा बना रहता है। इसी के विरोध में यह बंद आयोजित किया गया, जिसे जिलेभर में व्यापक समर्थन मिला। जिला केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष सुबोध कुमार ने बताया कि ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में बुलाया गया बंद पूरी तरह सफल रहा। उन्होंने कहा कि दवाइयां सीधे स्वास्थ्य से जुड़ी होती हैं, इसलिए इनके वितरण में सावधानी बेहद जरूरी है। वहीं एसोसिएशन के चेयरमैन देवेश कुमार ने कहा कि ऑनलाइन दवा खरीदने में मरीजों को कई तरह के जोखिम उठाने पड़ सकते हैं, जबकि स्थानीय मेडिकल स्टोर पर फार्मासिस्ट से उचित सलाह भी मिलती है। उन्होंने सरकार और प्रशासन से ऑनलाइन दवा बिक्री पर सख्त नियंत्रण लगाने की मांग की। बंद के दौरान व्यापार मंडल और केमिस्ट एसोसिएशन के कई पदाधिकारी मौजूद रहे। इनमें हितेंद्र खरबंदा, आलोक गोविल, तारिक मसरूर, मोहम्मद आसिफ, केके अग्रवाल, सोनू भाई, मनोज शर्मा, सुशील कुमार, एमपी सिंह और सतीश गहलोत समेत कई व्यापारी शामिल रहे।

क्षत्रिय महासभा ने नवनियुक्त डीएम को भेंट किया महाराणा प्रताप का चित्र

बुलंदशहर (सब का सपना):- क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारियों ने मंडल अध्यक्ष ज्ञानेंद्र सिंह राघव के नेतृत्व में नवनियुक्त जिला अधिकारी कुमार सौरभ से शिष्टाचार भेंट कर उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्हें वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप का चित्र भेंट किया गया। कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय में हुई इस मुलाकात में क्षत्रिय महासभा के संरक्षक एवं पूर्व जिला अध्यक्ष कांग्रेस ठाकुर राकेश भाटी भी उपस्थित रहे। मंडल अध्यक्ष अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा मेरठ एवं जिला कोऑर्डिनेटर कांग्रेस ज्ञानेंद्र सिंह राघव ने डीएम को महाराणा प्रताप का चित्र भेंट करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। उनके आदर्शों पर चलकर ही समाज और राष्ट्र का कल्याण संभव है। ज्ञानेंद्र सिंह राघव ने जिला अधिकारी को जिले के विकास में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि क्षत्रिय समाज हमेशा प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा। नवनियुक्त डीएम कुमार सौरभ ने भी क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि जिले में कानून-व्यवस्था एवं विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। इस अवसर पर क्षत्रिय महासभा के वरिष्ठ साथी नरेश उर्फ बबलू चौहान, क्षेत्र पंचायत सदस्य राधे पवार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने नए जिला अधिकारी को शुभकामनाएं दीं और जिले के सर्वांगीण विकास की अपेक्षा जताई। क्षत्रिय महासभा ने जिला प्रशासन को आश्वस्त किया कि सामाजिक सौहार्द और शांति बनाए रखने में संगठन हमेशा सहयोग करेगा।

तेज धूप में पैदल चलीं डीएम जसजीत कौर, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बिजनौर (सब का सपना):- तेज गर्मी और चिलचिलाती धूप के बीच बुधवार को बिजनौर की जिलाधिकारी ने एक अलग और प्रेरणादायक पहल कर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। डीएम ने सरकारी वाहन का उपयोग करने के बजाय अपने सरकारी आवास से कलेक्ट्रेट तक पैदल सफर तय किया। उनका यह कदम पर्यावरण संरक्षण, ईंधन बचत और फिटनेस के प्रति जागरूकता का संदेश देता नजर आया। प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर आम लोगों तक पूरे दिन इस पहल की चर्चा होती रही। सुबह करीब 10 बजे जिलाधिकारी जसजीत कौर अपने आवास से निकलीं और हाथ में छाता लेकर पैदल ही कलेक्ट्रेट के लिए रवाना हो गईं। उनके साथ सुरक्षा कर्मी और प्रशासनिक स्टाफ के कुछ सदस्य भी मौजूद रहे। तेज धूप और उमस के बावजूद डीएम पूरे आत्मविश्वास के साथ सड़क पर पैदल चलती नजर आईं। रास्ते में गुजर रहे लोगों ने जब जिलाधिकारी को पैदल देखा तो कई लोग हैरान रह गए, जबकि कई लोगों ने इस पहल की सराहना भी की।

डीएम का यह कदम केवल कार्यालय पहुंचने तक सीमित नहीं रहा। दोपहर करीब एक बजे कार्यालय का कार्य निपटाने के बाद उन्होंने वापस अपने सरकारी आवास लौटने के लिए भी पैदल मार्ग ही चुना। इस दौरान उनके एक हाथ में छाता और दूसरे हाथ में जरूरी सरकारी फाइलें थीं। सड़क पर पैदल चलती जिलाधिकारी को देखकर लोग रुककर चर्चा करते दिखाई दिए। उनके साथ सुरक्षा कर्मी और प्रशासनिक स्टाफ भी लगातार मौजूद रहा। कलेक्ट्रेट परिसर के पास पैदल जाते समय जिलाधिकारी को एक बुजुर्ग महिला और एक युवक अपनी शिकायतों के साथ खड़े मिले। डीएम ने सड़क पर ही रुककर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए। लोगों ने डीएम की इस संवेदनशील कार्यशैली की प्रशंसा की। आमतौर पर अधिकारियों से मिलने के लिए लोगों को लंबे इंतजार का सामना करना पड़ता है, लेकिन डीएम ने मौके पर ही समस्याएं सुनकर अलग प्रशासनिक उदाहरण पेश किया। जिलाधिकारी की इस पहल को लेकर प्रशासनिक दफ्तरों में भी दिनभर चर्चा रही। अधिकारियों और कर्मचारियों ने इसे प्रेरणादायक कदम बताते हुए कहा कि यदि सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोग ईंधन बचत, पर्यावरण संरक्षण और फिटनेस को लेकर ऐसे संदेश देंगे तो समाज में सकारात्मक बदलाव निश्चित रूप से देखने को मिलेगा।

बकली फाटक के पास ट्रेन से कटकर महिला की दर्दनाक मौत

बिजनौर (सब का सपना):- शहर कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक दर्दनाक हादसे में महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसा बकली फाटक के पास उस समय हुआ जब महिला रेलवे ट्रैक पार कर रही थी। लखनऊ-चंडीगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन की टक्कर लगने से महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान नजीबाबाद थाना क्षेत्र के गांव पूरनपुर गढ़ी निवासी कविता देवी पत्नी जितेंद्र सिंह के रूप में हुई है। बताया गया कि कविता देवी पिछले कई वर्षों से अपनी ननद के पास रह रही थीं। देर रात वह किसी कार्य से बकली फाटक के पास पहुंचीं, जहां रेलवे ट्रैक पार करते समय यह हादसा हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक महिला जैसे ही ट्रैक के पास पहुंची, उसी दौरान लखनऊ-चंडीगढ़ एक्सप्रेस वहां से गुजर रही थी। महिला ट्रेन की चपेट में आ गई और गंभीर रूप से घायल होकर ट्रैक के किनारे गिर पड़ी। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। स्थानीय लोगों की सहायता से घायल महिला को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर शहर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले की जांच की जा रही है। बताया गया कि मृतका के चार बच्चे हैं। हादसे की खबर मिलते ही परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गांव और आसपास के क्षेत्र में भी शोक का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने रेलवे ट्रैक पार करने के दौरान सावधानी बरतने की अपील की है।

प्रेम विवाह की मांग को लेकर युवक का हाईवोल्टेज ड्रामा

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा क्षेत्र के ग्राम सफियाबाद में मंगलवार रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक प्रेमिका से शादी की जिद में रेलवे के हाईटेंशन ओएचई पोल पर चढ़ गया। युवक करीब एक घंटे तक 25 हजार वोल्ट बिजली लाइन के पास बैठा रहा, जिससे मौके पर मौजूद लोगों की सांसें थम गईं। घटना की सूचना फैलते ही आसपास के क्षेत्र में भीड़ जमा हो गई और पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार युवक की पहचान समीर पुत्र फुरकान के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह अपनी प्रेमिका से शादी करना चाहता था, लेकिन किसी कारणवश बात आगे नहीं बढ़ पा रही थी। इसी को लेकर नाराज समीर देर रात रेलवे लाइन के पास पहुंचा और हाईटेंशन पोल पर चढ़ गया। पोल पर बैठकर उसने नीचे कूदने और करंट लगने की धमकी दी, जिससे स्थिति बेहद गंभीर हो गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी संजय कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्काल आसपास के लोगों को सुरक्षित दूरी पर किया और युवक को शांत कराने का प्रयास शुरू किया। थाना प्रभारी लगातार युवक से बातचीत करते रहे और उसे समझाते रहे कि वह अपनी जान जोखिम में न डाले। मौके पर मौजूद लोग भी युवक को नीचे उतरने की अपील करते रहे। करीब एक घंटे की मशक्कत और समझाइश के बाद पुलिस युवक को सकुशल नीचे उतारने में सफल रही। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। युवक को नीचे उतारने के बाद पुलिस अपने साथ थाने ले गई, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि युवक मानसिक तनाव में प्रतीत हो रहा था और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

घटना के बाद क्षेत्र में यह मामला चर्चा का विषय बना रहा। स्थानीय लोगों ने पुलिस की सूझबूझ और धैर्य की सराहना की, जिसकी वजह से बड़ा हादसा टल गया। सोशल मीडिया पर भी इस घटना के वीडियो और तस्वीरें तेजी से वायरल होती रहीं।

स्योहारा में मंदिर की मूर्ति क्षतिग्रस्त,जांच में जुटी पुलिस

शांति बनाए रखने की अपील, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के कुमारों वाली ढाली के पास स्थित एक मंदिर में स्थापित मूर्ति के क्षतिग्रस्त होने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में चिंता और रोष का माहौल बन गया। सूचना पाकर स्योहारा पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुँचकर स्थिति को संभाला और मामले को शांत कराया। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। पुलिस टीम द्वारा आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह किसी शरारती तत्व की जानबूझकर की गई हरकत है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हर पहलू की गहनता से विधिक जांच की जा रही है।स्योहारा प्रभारी निरीक्षक सजंय कुमार ने स्थानीय नागरिकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था और आपसी सौहार्द से खिलवाड़ करने की इजाजत किसी को नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा, "मामला पूरी तरह नियंत्रण में है और पुलिस त्वरित कार्रवाई कर रही है। जांच के आधार पर जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुसार दोषियों के खिलाफ सख्त विधिक कार्रवाई की जाएगी।" प्रशासन की जनता से अपील चूंकि स्थानीय लोगों के अनुसार पूर्व में भी इस क्षेत्र में ऐसी स्थिति बनी थी, इसलिए पुलिस और प्रबुद्ध नागरिकों ने जनता से धैर्य बनाए रखने की अपील की है। पुलिस प्रशासन ने कड़े निर्देश दिए हैं कि सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से किसी भी प्रकार की भ्रामक अफवाह न फैलाई जाए। नगर में शांति और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए पुलिस बल लगातार गश्त कर रहा है।

एसपी सिटी ने व्यापारियों के साथ मासिक गोष्ठी कर सुरक्षा आदि के सम्बन्ध में सम्बंधित को दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- एसपी सिटी डॉ.कृष्णा गोयल ने जनपद के व्यापारियों के साथ मासिक गोष्ठी कर सुरक्षा आदि के सम्बन्ध में सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। बुधवार को डॉ.कृष्णा गोयल ने जनपद के प्रमुख व्यवसायियों के साथ मासिक गोष्ठी आयोजित की। इस गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य व्यावसायिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और व्यापारियों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना था। इसमें सरार्फा, पेट्रोल पंप, गैस एजेंसी और ईंट भट्ठा सहित अन्य व्यवसायी शामिल हुए। गोष्ठी के दौरान व्यापारियों ने यातायात अव्यवस्था, सड़क पर अतिक्रमण, बस स्टैंड पर अवैध डग्गामार वाहनों का संचालन, पेट्रोल पंपों पर अत्यधिक भीड़ और स्कूल बसों की फिटनेस से संबंधित कई समस्याएं उठाईं। यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने निर्देश दिए। एसपी सिटी ने इन मुद्दों को गंभीरता से लिया। उन्होंने भीड़भाड़ वाले बाजारों और कस्बों में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने, अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाने, पेट्रोल पंपों पर भीड़ नियंत्रण के लिए पुलिस प्रबंधन तथा स्कूल बसों की नियमित फिटनेस जांच के लिए संबंधित विभागों से समन्वय कर प्रभावी कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने बाजारों की सुरक्षा के लिए रात्रि गश्त और पिकेट बढ़ाने, बैंक व एटीएम के आसपास संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की लगातार चेकिंग करने के निर्देश दिए। साथ ही, व्यापारियों की समस्याओं के समाधान हेतु नियमित मासिक गोष्ठी आयोजित करने और उनके साथ सद्व्यवहार व हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। सुरक्षा के मद्देनजर, व्यवसायियों से अपने गार्ड और चौकीदारों का पुलिस वेरिफिकेशन कराने की अपील की गई। इसके अतिरिक्त, बाल श्रम न कराने तथा चोरी व लूट जैसी घटनाओं की रोकथाम के लिए 'ऑपरेशन त्रिनेत्र' के तहत उच्च गुणवत्ता के सीसीटीवी कैमरे लगाने हेतु प्रेरित किया गया। जनसहयोग से लगाए गए सीसीटीवी कैमरों के लिए व्यापारियों का आभार भी व्यक्त किया गया। अग्निकांड से बचाव के लिए संस्थानों में आवश्यक अग्नि सुरक्षा उपकरण लगाने तथा ऑनलाइन ठगी व साइबर अपराध से बचने हेतु ओटीपी साझा न करने, अनजान लिंक पर क्लिक न करने और बैंक विवरण सुरक्षित रखने के प्रति भी व्यवसायियों को जागरूक किया गया।

स्कूल जाने से पहले मंदिर गई मासूम, बाहर आते ही कुत्तों ने घेरा

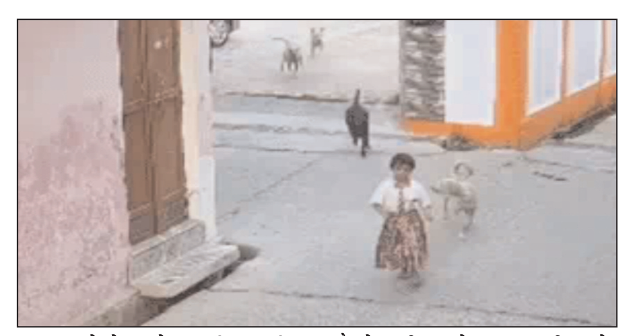

बिजनौर (सब का सपना):- धामपुर क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक एक बार फिर सामने आया, जहां मंदिर से लौट रही छह वर्षीय बच्ची पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। बच्ची किसी तरह दौड़कर अपनी जान बचाने में सफल रही। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर बच्ची को कुत्तों के चंगुल से छुड़ाया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना धामपुर थाना क्षेत्र के क्षत्रिय नगर मोहल्ले की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार 18 मई की सुबह करीब 6:30 बजे वीर सिंह की छह वर्षीय बेटी जीविका राजपूत स्कूल जाने से पहले पास स्थित मंदिर गई थी। मंदिर में दर्शन करने के बाद जैसे ही वह बाहर निकली, तभी वहां मौजूद 6 से 7 आवारा कुत्तों ने अचानक उसे घेर लिया और हमला करने के लिए उसकी ओर दौड़ पड़े। अचानक हुए हमले से घबराई बच्ची जोर-जोर से चिल्लाते हुए सड़क पर दौड़ने लगी। कुत्तों का झुंड भी उसके पीछे भागता रहा। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग तुरंत घरों से बाहर निकले और दौड़कर उसे कुत्तों से बचाया। लोगों के पहुंचने पर कुत्ते वहां से भाग गए। राहत की बात यह रही कि बच्ची को कोई गंभीर चोट नहीं आई, लेकिन घटना के बाद वह काफी सहमी हुई बताई जा रही है। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। वायरल वीडियो में बच्ची को जान बचाने के लिए भागते हुए और लोगों को उसकी मदद के लिए दौड़ते हुए साफ देखा जा सकता है।

घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है और कई बार शिकायतों के बावजूद कोई स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा। स्थानीय निवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से आवारा कुत्तों को पकड़ने और बच्चों की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

स्योहारा के झिल्ला में टूटा वैक्सीन का विरोध, बच्चों को लगे टीके

स्वास्थ्य विभाग और गावी/पीसीआई की काउंसलिंग लाई रंग, 165 में से 65 अवरोधी परिवारों ने कराया टीकाकरण

बिजनौर (सब का सपना):- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा के अंतर्गत बच्चों के टीकाकरण को लेकर लंबे समय से चली आ रही भ्रांतियों और विरोध को तोड़ने में स्वास्थ्य विभाग व प्रशासन को बड़ी सफलता मिली है। ब्लॉक के ग्राम झिल्ला में बीआरटी टीम और 'गावी/पीसीआई इंडिया' के संयुक्त प्रयासों से कई अवरोधी (टीकाकरण से इंकार करने वाले) परिवारों के बच्चों को सफलतापूर्वक टीके लगाए गए। काउंसलिंग और प्रशासनिक सख्ती का दिखा असर सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही की रिपोर्ट के अनुसार, ब्लॉक में अप्रैल माह तक कुल 165 परिवार ऐसे थे जो धार्मिक व सामाजिक भ्रांतियों के चलते बच्चों का टीकाकरण कराने को तैयार नहीं थे। इन परिवारों को समझाने के लिए लगातार बीटीएफ और टीटीएफ बैठकें की गईं। यूनिसेफ, गावी/पीसीआई और बीआरटी टीम ने आशा कार्यकर्ताओं के साथ घर-घर दस्तक दी। इसके साथ ही प्रशासन ने यह भी साफ किया कि जानबूझकर इंकार करने वाले परिवारों पर सरकारी योजनाओं और कोटे के राशन को लेकर सख्ती बरती जा सकती है। इस दोतरफा प्रयास का नतीजा यह रहा कि 65 परिवारों ने अपने बच्चों का टीकाकरण करा लिया है, और अब केवल 100 परिवार ही शेष बचे हैं।

सौरभ आर्य के प्रयासों से सुधरी स्थिति

ग्रामीणों के अनुसार, गावी/पीसीआई के सौरभ आर्य की सक्रियता और जमीनी काउंसलिंग के बाद से ब्लॉक के अवरोधी परिवारों की सोच में बड़ा बदलाव आया है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं और नियमित टीकाकरण के ग्राफ में तेजी से सुधार हो रहा है। झिल्ला में आयोजित सत्र के दौरान अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही, चीफ फार्मासिस्ट जितेंद्र रावत, हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह, सौरभ आर्य और एएनएम गायत्री व आशा ने खुद परिवारों के बीच पहुँचकर बच्चों का टीकाकरण कराया।

सहसपुर में स्टाफ की कमी बनी चुनौती

अधीक्षक डॉ. स्नेही ने बताया कि बच्चों का समय पर टीकाकरण न होने से खसरा, काली खांसी, पोलियो और डिप्थीरिया जैसी 12 जानलेवा बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने बताया कि ब्लॉक के सहसपुर में सबसे अधिक 45 अवरोधी परिवार हैं। वहाँ एएनएम और आशा की स्थायी तैनाती न होने के कारण परेशानी आ रही है, लेकिन एएनएम और संगिनी के टीम वर्क के जरिए प्रति माह विशेष सत्र चलाकर अधिकांश परिवारों को इसके लिए राजी किया जा रहा है। 100 परिवारों को भी जल्द कवर करने के लिए यूनिसेफ और बीआरटी टीम भरसक प्रयास कर रही हैं।

तार की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत, बिजली विभाग पर भड़के ग्रामीण

टूटे पड़े 11 हजार के तार ने ली रमजानी की जान, दरोगा-कोतवाल पहुँचे, पर 3 घंटे तक नहीं आए बिजली अफसर

हीमपुर दीपा/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम उमरीपीर में बिजली विभाग की एक और जानलेवा लापरवाही सामने आई है। यहाँ मजदूरी पर जा रहे एक 65 वर्षीय बुजुर्ग साइकिल सवार की खेत में टूटे पड़े 11 हजार वोल्ट के हाईटेंशन तार की चपेट में आने से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद जहाँ पुलिस तुरंत मौके पर पहुँच गई, वहीं बिजली विभाग के अधिकारियों के फोन बंद होने और 3 घंटे तक किसी कर्मचारी के न पहुँचने से परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश पनप गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम उमरीपीर निवासी रमजानी (65 वर्ष) पुत्र सुल्तान बुधवार को मजदूरी पर ईख नलाने (गुड़ाई करने) जा रहा था। वह साइकिल से जैसे ही रिजवान के खेत के पास पहुँचा, तो वहाँ जमीन पर पड़े 11 हजार वोल्ट के चालू विद्युत तार की चपेट में आ गया। करंट इतना शक्तिशाली था कि रमजानी बुरी तरह झुलस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के खेतों में काम कर रहे किसानों ने जब यह मंजर देखा, तो तत्काल परिजनों और पुलिस को सूचना दी। हादसे की खबर मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक जय भगवान सिंह हल्का दरोगा और सिपाही सहित भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँच गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर स्थिति को संभालने का प्रयास किया, लेकिन हादसे के 3 घंटे बीत जाने के बाद भी बिजली विभाग का कोई भी जिम्मेदार अधिकारी या लाइनमैन मौके पर नहीं पहुँचा। इस संवेदनहीनता को देखकर मृतक के परिजनों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुँच गया। ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर घोर लापरवाही और अकर्मण्यता का आरोप लगाते हुए बताया कि करीब एक सप्ताह पूर्व ही विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों को इस खेत में तार टूटने की लिखित व मौखिक सूचना दे दी गई थी। इसके बावजूद गैर-जिम्मेदार बिजली कर्मियों ने न तो तार को जोड़ना मुनासिब समझा और न ही उसे खेत से हटवाया। ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि हादसे के बाद जब उन्होंने एक्सईएन, एसडीओ और जेई को सूचना देने के लिए फोन मिलाया, तो इन तीनों ही अधिकारियों के सरकारी फोन स्विच ऑफ आ रहे थे। ग्रामीणों ने प्रशासनिक उदासीनता पर तंज कसते हुए इन अधिकारियों को 'सरकारी दामाद' करार दिया। उमरीपीर की यह घटना महज एक हादसा नहीं, बल्कि सीधे तौर पर बिजली विभाग की घोर लापरवाही का परिणाम है। हफ्तेभर से टूटे तार की सूचना के बाद भी कार्रवाई न करना और हादसे के बाद फोन बंद कर लेना अधिकारियों की संवेदनहीनता को दर्शाता है। शासन को ऐसे अधिकारियों के खिलाफ सख्त से सख्त दंडात्मक कार्रवाई करनी चाहिए।

लुधियाना पहुंचे अरविंद केजरीवाल व सीएम भगवंत मान, विधानसभा चुनाव 2027 की रणनीति पर दो दिन तक चलेगा मंथन

लुधियाना। आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल बुधवार को सीएम भगवत मान के साथ लुधियाना पहुंचे। वह अगले दो दिनों तक पंजाब में रहकर पार्टी की शीर्ष लीडरशिप के साथ विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर मंथन करेंगे। हलवारा हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि पंजाब में आम आदमी पार्टी के पक्ष में माहौल पहले से अधिक मजबूत हुआ है। केजरीवाल ने दावा किया है कि आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी पिछला रिकॉर्ड भी तोड़ेगी। सामान्य तौर पर किसी भी सरकार के चार वर्ष पूरे होने के बाद लोगों में नाराजगी दिखाई देती है, लेकिन पंजाब में स्थिति इसके विपरीत है। उन्होंने कहा कि राज्य में आम आदमी पार्टी सरकार के प्रति लोगों में सकारात्मक माहौल है और जनता सरकार के कामों को लेकर चर्चा कर रही है।उन्होंने सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि पंजाब में लोगों को मुफ्त बिजली दी जा रही है। खेतों तक नहरी पानी पहुंचाया गया है। इसके अलावा दस-दस लाख रुपये की बीमा योजना लागू की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले दिनों में महिलाओं के खातों में एक-एक हजार रुपये की राशि भेजी जाएगी।बड़े स्तर पर हुए पंजाब में काम केजरीवाल ने दावा किया कि पंजाब में पहले किसी सरकार ने इतने बड़े स्तर पर काम नहीं किए। उन्होंने कहा कि जनता सरकार के कामों से खुश है और विपक्ष के पास अब कोई बड़ा मुद्दा नहीं बचा है। इस दौरान मुख्यमंत्री भगवंत मान भी उनके साथ मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लुधियाना के पुराने साहनेवाल हवाई अड्डे को एविएशन क्लब के रूप में विकसित किया जा सकता है। उनका कहना था कि इससे पंजाब के युवाओं को विमानन क्षेत्र में प्रशिक्षण लेने का अवसर मिलेगा और रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि इससे पहले पंजाब में दो एविएशन क्लब चल रहे हैं और अब लुधियाना में भी इस दिशा में संभावनाएं तलाश की जा रही हैं।पार्टी नेतृत्व अगामी चुनावों को लेकर सक्रिय सूत्रों के अनुसार अगले दो दिनों में पार्टी संगठन, चुनावी रणनीति, उम्मीदवार चयन और सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने को लेकर कई अहम बैठकें हो सकती हैं। पार्टी नेतृत्व आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से सक्रिय दिखाई दे रहा है। पंजाब की राजनीति में आम आदमी पार्टी की आगामी रणनीति को लेकर यह दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि पार्टी चुनाव से पहले संगठन को और मजबूत करने तथा सरकार की योजनाओं को चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में जुटी हुई है।

खबर एक्सप्रेस

अमृतसर में 10 किलो आइस और 4 किलो हेरोइन बरामद, दुबई से चल रहे सिंडिकेट के दो सदस्य गिरफ्तार

अमृतसर। अमृतसर कमिशनरेट पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से दस किलो आइस यानी मेथामफेटामाइन और चार किलो हेरोइन बरामद की है। शुरूआती जांच में सामने आया है कि यह पूरा सिंडीकेट दुबई से संचालित किया जा रहा था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपित लंबे समय से नशा तस्करी के नेटवर्क से जुड़े हुए थे। इनमें से एक आरोपित कुछ महीने पहले ही दुबई से वापस लौटा था। जांच में यह भी सामने आया है कि उसने पिछले दिनों हेरोइन की कई खेप पंजाब के अलग-अलग इलाकों में सप्लाई की थीं।कमिश्नरेट पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल दोनों से गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि नशे की खेप कहां से लाई गई, किन इलाकों में सप्लाई की जानी थी और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोग कौन-कौन हैं। गिरोह के लिंक तलाश रही पुलिस पुलिस सूत्रों के अनुसार बरामद की गई आइस और हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपये बताई जा रही है। जांच एजेंसियां अब गिरोह के बैकवर्ड और फारवर्ड लिंक खंगाल रही हैं। यह पता लगाया जा रहा है कि नशे की सप्लाई सीमा पार से हो रही थी या विदेश से जुड़े किसी बड़े नेटवर्क के जरिए पंजाब तक पहुंचाई जा रही थी। अधिकारियों का कहना है कि हाल के समय में पंजाब में आइस जैसे सिंथेटिक नशे की तस्करी बढ़ने लगी है। युवा वर्ग को निशाना बनाकर यह नेटवर्क तेजी से फैलाने की कोशिश की जा रही है। इसी को देखते हुए पुलिस ने निगरानी और कार्रवाई दोनों तेज कर दी हैं।कई और गिरफ्तारियां भी संभव मामले को लेकर पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर जल्द ही प्रेस वार्ता कर सकते हैं। माना जा रहा है कि प्रेस वार्ता में गिरोह के नेटवर्क, बरामद नशे और आगे की जांच को लेकर कई अहम खुलासे किए जा सकते हैं। पंजाब में लगातार बढ़ रही नशा तस्करी को लेकर सरकार और पुलिस पहले से दबाव में हैं। ऐसे में अमृतसर पुलिस की यह कार्रवाई बड़ी सफलता मानी जा रही है। पुलिस का कहना है कि आने वाले दिनों में इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की गिरफ्तारी भी संभव है और पूरे सिंडीकेट को तोड़ने के लिए कार्रवाई जारी रहेगी।

चंडीगढ़ के राज्यपाल की अनूठी मिसाल, 'नो कार डे' पर सीटीयू बस से दफ्तर पहुंचे गवर्नर गुलाब चंद कटारिया

चंडीगढ़। नो कार डे के तहत बुधवार को पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी प्रशासक Gulab Chand Kataria स्वयं सीटीयू बस में सफर कर दफ्तर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने चंडीगढ़ प्रशासन के अधिकारियों और कर्मचारियों से निजी वाहनों का कम से कम उपयोग करने की अपील की। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के अनुरूप ईंधन बचाना समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यदि अधिकारी और कर्मचारी स्वयं इसका पालन करेंगे, तभी आम लोगों को भी इसके लिए प्रेरित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ के लोगों को सप्ताह में कम से कम एक दिन साइकिल, बस या अन्य सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना चाहिए। कटारिया ने विद्यार्थियों से भी साइकिल और पब्लिक ट्रांसपोर्ट अपनाने की अपील करते हुए कहा कि इससे न केवल ईंधन की बचत होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ट्रैफिक दबाव कम करने में भी मदद मिलेगी। प्रशासन की ओर से नो कार डे को सफल बनाने के लिए विशेष बसों की व्यवस्था भी की गई।

पंजाब में बीएसएफ चौक के पास आईईडी धमाके मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार, जीरकपुर और दिल्ली पहुंची पुलिस की जांच

जालंधर। जालंधर के बीएसएफ चौक के पास बीते दिनों हुए आईईडी धमाके की जांच पंजाब से बाहर तक पहुंच गई है। मामले की तह तक जाने के लिए जालंधर पुलिस की टीमें जीरकपुर, दिल्ली और अन्य स्थानों पर लगातार छापेमारी कर रही हैं। पुलिस को उन छह लोगों के पते और पहचान से जुड़ी जांच के दौरान पुलिस ने जीरकपुर से दो और लोगों को काबू किया है। बताया जा रहा है कि इस मामले में कई अहम सुराग मिले, जिसके बाद दो और लोगों को काबू किया गया है, जिन्होंने किसी न किसी रूप में गिरफ्तार आरोपितों की मदद की थी। इनमें जीरकपुर और दिल्ली के तीन लोगों के नाम प्रमुख रूप से सामने आए थे। हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी की गिरफ्तारी होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन बताया जा रहा है कि जांच के दौरान कुछ और लोगों को नामजद भी किया गया है। जांच में सामने आए थे नाम, चार और लोगों की तलाश बताया जा रहा है कि गिरफ्तार आरोपितों ने पूछताछ में कई ऐसे लोगों के नाम बताए हैं जिन्होंने उन्हें ठहरने की जगह, सिम कार्ड, वाहन और अन्य सहायता उपलब्ध करवाई थी। छह लोगों के नाम सामने आए थे तो पुलिस ने लगातार छापेमारी की और दो लोगों को पकड़ा है।वहीं बाकी लोगों की पुलिस पहचान करवाने में जुटी हुई है। पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि कुछ संदिग्धों ने आरोपितों को सुरक्षित ठिकाने दिलाने और वारदात के बाद फरार होने में मदद की थी। इसी आधार पर जालंधर पुलिस की अलग-अलग टीमें जीरकपुर, दिल्ली और अन्य शहरों में पहुंचीं और कई स्थानों पर छापेमारी की।

क्या था पूरा मामला?

बीते दिनों जालंधर के बीएसएफ चौक के पास देर रात एक आईईडी ब्लास्ट हुआ था। धमाका बीएसएफ हेडक्वार्टर के समीप हुआ, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस में हड़कंप मच गया। शुरूआती जांच में सामने आया कि आरोपितों ने पहले से पूरी योजना बनाकर वारदात को अंजाम दिया था। जांच के दौरान पुलिस ने उमरदीन खान और अनिल शर्मा नामक दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपित इंटरनेट मीडिया और गैंगस्टर नेटवर्क के जरिए संपर्क में आए थे। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि धमाके में इस्तेमाल आईईडी और अन्य तकनीकी मदद बार्डर पार से जुड़े नेटवर्क के जरिए उपलब्ध करवाई गई थी। अब पुलिस उस व्यक्ति की तलाश में जुटी है जिसने आईईडी को पंजाब तक पहुंचाने और आरोपितों तक सप्लाई करने में भूमिका निभाई।

गगनदीप जम्मू फायरिंग मामले में हाई कोर्ट सख्त, 24 घंटे सुरक्षा और जांच रिपोर्ट तलब; पीसीआर तैनात करने का आदेश

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व मानद सचिव गगनदीप जम्मू पर हुए जानलेवा हमले के मामले में सख्त रुख अपनाया है। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने संज्ञान लेकर यूटी प्रशासन को निर्देश दिए कि गगनदीप जम्मू की सुरक्षा के लिए 24 घंटे पीएसओ उपलब्ध कराया जाए और उनके आवास के निकट पीसीआर वैन भी तैनात रखी जाए। अदालत ने मामले की जांच की प्रगति पर भी रिपोर्ट मांगी है। सुनवाई के दौरान बार एसोसिएशन की ओर से अदालत को बताया गया कि 18 मई की रात करीब आठ बजे गगनदीप जम्मू अपने एक मित्र के साथ जा रहे थे, तभी मोटरसाइकिल पर सवार दो हमलावरों ने उन पर फायरिंग कर दी। हमले में इस्तेमाल कारतूस भी बरामद हुए हैं।बार की ओर से कहा गया कि यह केवल एक अधिवक्ता पर हमला नहीं, बल्कि पूरी कानूनी बिरादरी को डराने का प्रयास है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सुरक्षा और जांच दोनों की निगरानी जरूरी है। हमलावरों के पास थे अत्याधुनिक हथियार

बार एसोसिएशन के वकील ने अदालत को बताया कि हमलावरों के पास अत्याधुनिक हथियार थे और गोलियां वाहन के दरवाजे को पार करते हुए अंदर तक पहुंचीं। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति पर हमला हुआ, वह मानसिक आघात में है और उसकी सुरक्षा तत्काल मजबूत की जानी चाहिए। अदालत को यह भी बताया गया कि हाल ही में पंजाब के महाधिवक्ता को भी गैंगस्टरों से धमकी मिली थी और उन्हें सुरक्षा प्रदान की गई है। यूटी प्रशासन की ओर से अदालत को जानकारी दी गई कि गगनदीप जम्मू को पहले से एक पीएसओ उपलब्ध था और अब एक अतिरिक्त पीएसओ भी तैनात कर दिया गया है। इसके अलावा उनके सेक्टर-36 स्थित आवास के आसपास मोटरसाइकिल और पीसीआर गश्त भी शुरू कर दी गई है। हालांकि बार एसोसिएशन ने दावा किया कि पहले सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं थी और पीएसओ शाम पांच बजे ड्यूटी समाप्त कर लौट जाता था। इस पर अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिए कि दो पीएसओ की तैनाती इस प्रकार की जाए कि 24 घंटे एक पीएसओ हर समय उपलब्ध रहे।

वकीलों की हड़ताल पर चीफ जस्टिस सख्त, बोले- अदालत ने संज्ञान लिया तो काम बंद करने की जरूरत क्या थी

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के पूर्व बार सचिव गगन दीप जम्मू पर हमले के विरोध में वकीलों द्वारा दोपहर बाद कार्य बहिष्कार किए जाने पर चीफ जस्टिस ने कड़ी नाराजगी जताई। अदालत ने साफ कहा कि जब हाई कोर्ट पहले ही मामले का स्वतः संज्ञान लेकर आदेश जारी कर चुका है तो उसके बाद हड़ताल पर जाने की आवश्यकता क्या थी। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के प्रधान ने अदालत को बताया कि गगनदीप सिंह जम्मू पर हुए हमले को लेकर वकीलों में भारी रोष है। उन्होंने कहा कि अदालत द्वारा दिए गए आदेशों का बार स्वागत करता है, लेकिन जम्मू के समर्थन में वकीलों की एकजुटता दिखाने के लिए केवल आज दोपहर बाद कार्य स्थगित किया गया है।प्रधान ने अदालत को आश्वस्त किया कि यह प्रतीकात्मक कदम था और कल से सभी अधिवक्ता नियमित रूप से कामकाज पर लौट आएंगे। इस दौरान अदालत ने गगनदीप सिंह जम्मू को स्वयं कोर्ट में बुलाया।मुश्किलें नजरअंदाज नहीं की जा सकती चीफ जस्टिस ने उनसे कहा कि यदि उनके समर्थन में पूरी हाई कोर्ट का कामकाज बंद कर दिया जाए तो उन्हें कैसा लगेगा। अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि सैकड़ों लोग 100 से 200 किलोमीटर दूर-दराज के इलाकों से अपने मामलों की सुनवाई के लिए आते हैं, ऐसे में उनके मामलों पर पड़ने वाले असर को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।इस पर गगनदीप सिंह जम्मू ने अदालत से कहा कि उन्होंने कभी हड़ताल की मांग नहीं की थी और वह स्वयं अभी भी इस घटना से सदमे में हैं। कल होगी मामले की सुनवाई वहीं बार एसोसिएशन की ओर से अदालत को यह भी कहा गया कि मामले में अगली सुनवाई 25 मई तय की गई थी, जबकि इस प्रकरण में तुरंत कार्रवाई की आवश्यकता थी। इस पर चीफ जस्टिस ने मामले की अगली सुनवाई कल के लिए निर्धारित कर दी। साथ ही एसएसपी रूपनगर को भी व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने के आदेश जारी किए गए हैं। हालांकि अदालत ने बार एसोसिएशन को स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि वह तत्काल प्रभाव से हड़ताल वापस ले। इस पर बार एसोसिएशन ने अदालत को भरोसा दिलाया कि कार्य बहिष्कार शीघ्र समाप्त कर दिया जाएगा और नियमित न्यायिक कार्य बाधित नहीं होने दिया जाएगा।अब बार एसोसिएशन बैठक करेगी और आगे क्या कार्रवाई की जाए उस पर गौर किया जाएगा।

पंजाब के फरीदकोट में 47 डिग्री पार पहुंचा तापमान, अगले सात दिनों तक चलेगी हीटवेव; एडवाइजरी जारी

लुधियाना। पंजाब में लू के साथ भीषण गर्मी शुरू हो गई है। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विभाग की प्रमुख डॉ. पवनीत किंगरा के अनुसार पंजाब में लू शुरू हो गई है। मंगलवार को पंजाब के बठिंडा, पटियाला, लुधियाना व फरीदकोट में दिन में लू जैसी स्थिति रही। वहीं कई जिलों में रात भी काफी गर्म रही। फरीदकोट पंजाब में सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान 47.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो कि सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। जबकि न्यूनतम तामपान 30 डिग्री सेल्सियस रहा।न्यूनतम तापमान भी सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। सीजन में पहली बार दिन व रात का तापमान इतना ऊपर आया है। दूसरी तरफ बठिंडा में अधिकतम तापमान 45.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो कि सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक था। न्यूनतम तामपान यहां 28.3 रहा, यह भी सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस ज्यादा था। उधर पटियाला में 45.3 डिग्री सेल्सियस, लुधियाना में 44.2 डिग्री सेल्सियस, अमृतसर में 43.9 डिग्री सेल्सियस, एसबीएस नगर व गुरदासपुर में 43 डिग्री सेल्सियस, पठानकोट में 42.5 डिग्री सेल्सियस व होशियारपुर में 41. डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।इन जिलों में भी अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस ज्यादा था। जबकि यहां रात का तापमान भी सामान्य से ज्यादा रहा। लुधियाना में 28.0 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा, जो कि सामान्य से 3.9 डिग्री सेल्सियस अधिक था। पटियाला में तापमान 27 डिग्री सेल्सियस था, जो कि सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। जबकि पठानकोट, फाजिल्का में तापमान 27 डिग्री सेल्सियस व अमृतसर में 26.7 डिग्री सेल्सियस रहा। दूसरी तरफ विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार 26 मई तक मौसम पूरी तरह शुरूक रहने की संभावना है।पंजाब में और बिगड़ेंगे हालात पंजाब में लू से अति लू (हीट वेव से सीवियर हीट वेव) की स्थिति बनी रह सकती है।अधिकतम तापमान 45 से 47 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। कुछ जिलों में तापमान 47 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। इसे लेकर ओरेंज अलर्ट जारी करते हुए लोगों को धूप में निकलने से बचने की सलाह दी है, खासकर, दोपहर 12 से शाम चार बजे के दौरान।बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को विशेष सतर्कता बरतने के लिए कहा गया है। क्योंकि गर्म हवाओं के कारण लोगों को स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

सब्जी के नुकसान पर मिली झिड़कियां, नाराज बेटे ने नहर में लगाई छलांग; बचाने कूदा पिता भी लापता

मुक्तसर साहिब। मुक्तसर साहिब में बुधवार सुबह एक दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। सब्जी मंडी में रेहड़ी लगाने वाले पिता-पुत्र के बीच हुए विवाद के बाद बेटे ने गुस्से में सरहिंद फीडर नहर में छलांग लगा दी। बेटे को डूबता देख पिता भी उसे बचाने के लिए नहर में कूद गए, लेकिन तेज बहाव में दोनों लापता हो गए। घटना के बाद परिवार और इलाके में मातम का माहौल है। लापता लोगों की पहचान दशमेश नगर निवासी 25 वर्षीय बग्गा सिंह और उसके पिता मक्खन सिंह के रूप में हुई है। दोनों सब्जी मंडी में फल और सब्जी की रेहड़ी लगाकर परिवार का पालन-पोषण करते थे। परिवार के जानकार जगसीर सिंह ने बताया कि एक दिन पहले पिता-पुत्र ने बड़ी मात्रा में फल और सब्जियां खरीदी थीं, लेकिन सामान खराब निकलने के कारण उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। बुधवार सुबह इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। बताया जा रहा है कि मक्खन सिंह ने बेटे बग्गा सिंह को डांट दिया था, जिससे वह नाराज होकर घर से निकल गया। गुस्से में बेटे ने लगा दी नहर में छलांग गुस्से में बग्गा सिंह सीधे सरहिंद फीडर नहर पर पहुंचा और वहां छलांग लगा दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बेटे को डूबता देख पिता मक्खन सिंह ने बिना देर किए नहर में छलांग लगा दी ताकि वह बेटे को बचा सकें।

लेकिन नहर में पानी का बहाव काफी तेज था और देखते ही देखते दोनों पानी में बह गए।घटना की सूचना मिलते ही थाना बरीवाला पुलिस मौके पर पहुंची। हालांकि हादसे के करीब पांच घंटे बाद भी न तो स्थानीय गोताखोरों द्वारा तलाश अभियान शुरू किया गया था और न ही राष्ट्रीय आपदा राहत बल की टीम मौके पर पहुंची थी। इससे परिवार और स्थानीय लोगों में नाराजगी भी देखने को मिली।दोनों की तलाश जारी परिजन लगातार नहर किनारे बैठे अपने प्रियजनों की तलाश की उम्मीद लगाए हुए हैं। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि बग्गा सिंह शादीशुदा था और उसका एक छोटा बच्चा भी है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस तरह की घटनाओं में तुरंत राहत और बचाव अभियान शुरू होना चाहिए। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और लापता पिता-पुत्र की तलाश के लिए संबंधित एजेंसियों से संपर्क किया गया है। फिलहाल पूरे इलाके में गम और चिंता का माहौल बना हुआ है।

पीएसपीसीएल के पूर्व सीएमडी समेत तीन गिरफ्तार, विजिलेंस ने करोड़ों के भ्रष्टाचार मामले में कसा शिकंजा

लुधियाना। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के एक बड़े मामले में कार्रवाई करते हुए पीएसपीसीएल के पूर्व मुख्य प्रबंध निदेशक के.डी. चौधरी, पूर्व वरिष्ठ एक्सईएन संजीव प्रभाकर और कॉलोनाइजर अमित गर्ग को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई आर्थिक अपराध शाखा लुधियाना द्वारा लंबी जांच पूरी होने के बाद की गई। विजिलेंस ब्यूरो के अनुसार यह मामला 66 केवी बसंत एवेन्यू सब-स्टेशन की स्थापना से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि कॉलोनाइजर ने पीएसपीसीएल अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर अपनी कॉलोनी में करीब 1015 वर्ग गज क्षेत्र में सब-स्टेशन स्थापित करवाया। जांच में सामने आया कि इस पूरी प्रक्रिया में नियमों और दिशा-निदेर्शों की अनदेखी की गई।विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि यदि उस समय संबंधित अधिकारियों द्वारा कॉलोनाइजर की सभी कॉलोनियों के एनओसी की सही तरीके से जांच की जाती और आपस में जुड़ी कॉलोनियों के कुल बिजली लोड को एक साथ जोड़ा जाता, तो पूरे 66 केवी सब-स्टेशन की लागत कॉलोनाइजर को स्वयं उठानी पड़ती। आरोप है कि ऐसा न करके निजी कॉलोनी को सीधा लाभ पहुंचाया गया। जांच में यह भी सामने आया कि बिजली मंत्रालय की ओर से सब-स्टेशन स्थापना को लेकर जारी दिशा-निदेर्शों का पालन नहीं किया गया। विजिलेंस के अनुसार प्रस्ताव में यह महत्वपूर्ण तथ्य भी छिपाया गया कि बसंत एवेन्यू सब-स्टेशन पक्की सड़क से करीब तीन किलोमीटर दूर खेतों और अविकसित कॉलोनियों के बीच स्थित है। आज भी वहां तक पहुंचने के लिए उचित सड़क सुविधा उपलब्ध नहीं है। विजिलेंस जांच के अनुसार तत्कालीन एक्सईएन संजीव प्रभाकर और अन्य फील्ड अधिकारियों द्वारा भेजे गए प्रस्ताव को तत्कालीन सीएमडी के.डी. चौधरी ने तमाम आपत्तियों और तकनीकी कमियों के बावजूद मंजूरी दे दी। इससे कॉलोनाइजर को बड़ा आर्थिक लाभ पहुंचा।

भाजपा उम्मीदवार का नामांकन रद्द होने पर बरनाला बंद, सड़कों पर उतरे व्यापारी व नेता; प्रशासन पर पक्षपात के आरोप

बरनाला। नगर निगम चुनाव को लेकर बरनाला में बुधवार को राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमा गया। वार्ड नंबर 31 से भाजपा उम्मीदवार रजनी रानी और आजाद उम्मीदवार स्वीटी गोयल के नामांकन पत्र रद्द किए जाने के विरोध में शहर बंद रखा गया। भाजपा, कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल बादल, व्यापार मंडल और कई सामाजिक व धार्मिक संगठनों ने संयुक्त रूप से बंद का समर्थन किया। सुबह से ही शहर के प्रमुख बाजारों में बंद का असर साफ दिखाई दिया। सदर बाजार, फरवाही बाजार, हंडिआया बाजार सहित अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। बाजारों में सामान्य दिनों की तुलना में काफी कम आवाजाही देखने को मिली। व्यापारी संगठनों और विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता शहर के अलग-अलग हिस्सों में लोगों से बंद का समर्थन करने की अपील करते रहे।बंद के समर्थन में बड़ी संख्या में व्यापारी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता स्थानीय रेलवे स्टेशन के निकट नेहरू चौक में एकत्रित हुए। यहां पंजाब सरकार और जिला प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने के आरोप लगाए और कहा कि नामांकन पत्र रद्द करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ है। सभी पार्टियों के नेताओं ने किया विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस विधायक कुलदीप सिंह काला ढिल्लों, गुरदीप बाठ, भाजपा जिला प्रधान यादविंदर शंटी, शिरोमणि अकाली दल नेता यादविंदर बिट्टू दीवाना, संजीव शौरी और व्यापार मंडल के प्रधान अनिल नाना सहित कई नेताओं ने रोष मार्च निकाला। नेताओं ने शहर के विभिन्न बाजारों में मार्च करते हुए कहा कि प्रशासन द्वारा विपक्षी उम्मीदवारों को चुनाव मैदान से बाहर करने की कोशिश की जा रही है। विरोध प्रदर्शन के दौरान नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने आंदोलन को दबाने का प्रयास किया तो संघर्ष और तेज किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने निष्पक्ष चुनाव करवाने की मांग उठाते हुए कहा कि लोकतंत्र में सभी उम्मीदवारों को बराबरी का अधिकार मिलना चाहिए। सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात स्थिति को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क दिखाई दिया। रेलवे स्टेशन और जिला मुख्यालय के आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों की गतिविधियों पर नजर बनाए रखी ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। दिनभर शहर का माहौल तनावपूर्ण बना रहा। नगर निगम चुनाव से पहले बरनाला में हुए इस विरोध प्रदर्शन ने राजनीतिक माहौल को और गर्मा दिया है। विभिन्न दलों के एक मंच पर आने को चुनावी राजनीति में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब सभी की नजर प्रशासन की अगली कार्रवाई और चुनावी प्रक्रिया पर टिकी हुई है।

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें

सिंगल मदर्स के लिए बच्चे की परवरिश करना आसान नहीं होता है। क्योंकि उनकी जिंदगी में ऐसी कई परेशानियां आती हैं, जिन्हें वह अकेले मैनेज करती हैं। लेकिन सिंगल मदर्स अपने बच्चे को हर खुशी देने की कोशिश करती हैं। इस समय गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं और बच्चे घूमने जाने की जिद करते हैं। ऐसे में मां अपने बच्चे के लिए भी ट्रिप प्लान करती हैं। लेकिन सवाल यह है कि वह कम बजट में ट्रिप कैसे प्लान करें। क्योंकि उन्हें अकेले ही घर और बाहर सब मैनेज करना होता है। वहीं अगर आप भी सिंगल मदर हैं और बजट में ट्रिप प्लान करने में परेशान हो रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप सिर्फ 10 हजार रुपए में घूमने का प्लान बना सकती हैं।

ऐसे प्लान करें ट्रिप

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें। क्योंकि सही लोकेशन आपके बजट को कम करती है। भले ही आप इन जगहों पर घूम चुकी हों, लेकिन बच्चे के लिए आप किसी सस्ती जगह का चुनाव कर सकती हैं।

वहीं सिंगल मदर्स को ऐसी जगह का चुनाव करना चाहिए, जहां पर अच्छी सुविधा और सुरक्षा के लिहाज से भी ठीक हो। जहां पर सस्ते ऑटो या कैब आदि आसानी से मिल सकें। जैसे पहाड़ों वाली जगह पर हर चीज का दाम अधिक रहता है। इन जगहों पर खाने-पीने से लेकर स्टे तक के साधन काफी महंगे होते हैं।

वहीं आपको अपने साथ कुछ खाने पीने की ऐसी चीजें रखनी चाहिए, जो जल्दी खराब न हों। ट्रिप के दौरान आप साथ में फल लेकर जा सकती हैं। इससे स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा और जल्दी भूख भी नहीं लगेगी।

बजट में घूमने के लिहाज से टूर पैकेज बेस्ट ऑप्शन होते हैं

सही लोकेशन का चुनाव करने पर आपको होटल भी कम दाम में मिल जाते हैं और यहां पर पहुंचना भी आसान होता है।

अधिकतर सिंगल मदर्स शहर से बाहर नहीं जाना चाहती हैं, तो आप शहर में रहकर भी घूमने जाने का प्लान बना सकती हैं। आप शहर में बच्चे को ऐसी जगह घुमाएं, जहां पर बच्चे हमेशा से जाना चाहते थे। ऐसा करने से न सिर्फ ट्रैवल और होटल का खर्चा बचेगा, बल्कि शहर में रहकर बच्चे अपनी पसंदीदा जगह घूम सकेंगे।

दूसरे शहर में कम खर्चे के लिहाज से आप शेयरिंग के साधन से घूम सकती हैं। क्योंकि इसमें कम बजट होता है। वहीं बच्चों के साथ घूमने के लिए यह टिप्स आपकी यात्रा को आसान बना देगी।

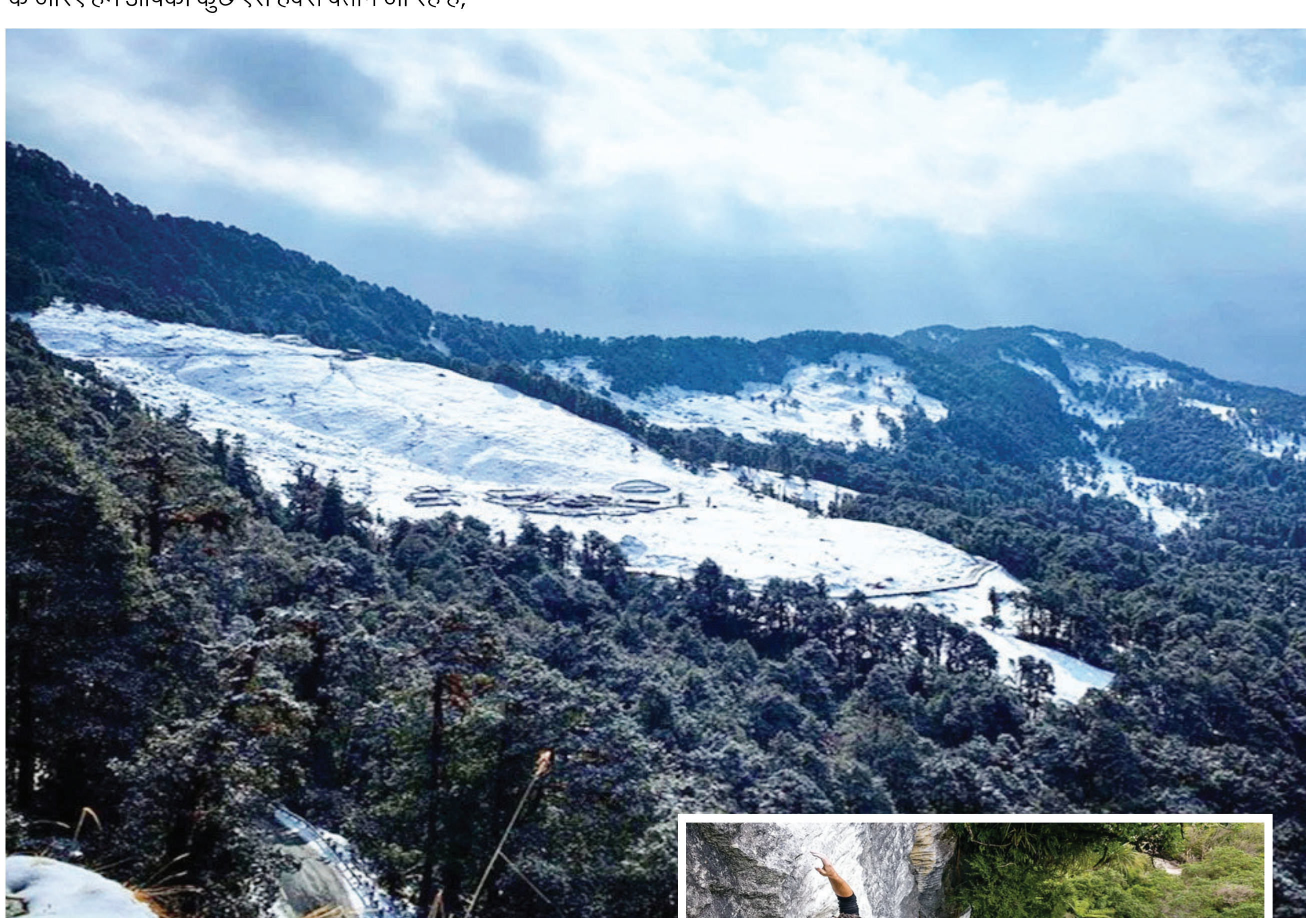

देहरादून में करना चाहते कुछ तूफानी तो जरूर एक्सप्लोर करें ये जगहें, जमकर कर सकेंगे मस्ती

देहरादून एक ऐसी जगह है, जहां पर आपको खूबसूरत हिल स्टेशन मिलेंगे। यहां से हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और धनोल्टी जैसी कई जगहों पर आप जा सकते हैं। वहीं अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक अनुभव करना चाहते हैं। वहीं कुछ देहरादून में ऐसी जगहों की तलाश करना चाहते हैं, जहां पर कुछ अच्छी एक्टिविटी कर सकें। अगर आप भी देहरादून में कुछ तूफानी करना चाहते हैं, तो आपको आसपास के हिल स्टेशन पर घूमने जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देहरादून की कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

रॉबर्स केव देहरादून

देहरादून की यह आपको काफी रोमांचक लगेगी। क्योंकि इसकी बनावट लोगों को आकर्षित करती है। जिन लोगों ने पहले कभी गुफा वाली जगहों पर प्रवेश नहीं किया है, उनके लिए यह एडवेंचर्स साबित हो सकता है। क्योंकि यहां पर आपको पैदल जाना होगा। पैरों में पानी होता है और मछलियां आपके पैरों को छूती हैं। हालांकि शुरूआत में आपको गुफा में चलने में थोड़ा डर लग सकता है, लेकिन धीरे-धीरे अंदर जाते ही नॉर्मल लगने लगेगा। प्रयास करें कि आप सुबह-सुबह पहुंचें, क्योंकि यहां पर बहुत भीड़ लगती है। यह मसूरी के पास घूमने लायक अच्छी जगहों में से एक है।

रॉक क्लाइबिंग

अगर आप कुछ तूफानी करना चाहते हैं और बिना किसी सहारे के पेड़ पर चढ़ना चाहते हैं। तो आपको देहरादून में रॉक क्लाइंबिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। यह सालन गांव में रॉक क्लाइबिंग करवाई जाती है। जहां पर आपको हर दिन भीड़ देखने को मिलेगी। आप यहां पर कैंपिंग के साथ कई तरह की एक्टिविटी भी कर सकते हैं। वहीं आप यहां पर पैकेज भी बुक कर सकते हैं और पूरा रात टेंट में बिता सकते हैं। इस दौरान आपको मिट्टी के बर्तन में खाना बनाना होगा और पूरी लाइफ कैंप की तरह जीना होगा। यह आपके लिए एक रोमांचक अनुभव हो सकता है।

मालसी डियर पार्क

अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक करना चाहते हैं, तो मालसी डियर पार्क जा सकते हैं। क्योंकि यह जगह आपको निराश नहीं करेगी। आप यहां पर जिप लाइनिंग और तरह-तरह की एक्टिविटी भी कर सकेंगे। बच्चों को भी यहां पर एक्टिविटी करवाई जाती है। वहीं अगर आप छोटा ट्रिप प्लान कर रही हैं, तो आपको यहां पर आपको भूलकर भी नहीं जाना चाहिए। यह देहरादून के पास घूमने वाली बेस्ट जगहों में से एक है।

भीड़ से दूर बेहद शांत है उत्तराखंड का ये हिल स्टेशन, जन्नत में आने का होगा एहसास

समर वेकेशन में हजारों लोग घूमने-फिरने के लिए निकल गए हैं। तो वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने अभी तक कोई ट्रिप प्लान नहीं कर पाए हैं। वह किसी पहाड़ी जगह पर घूमने जाना चाहते हैं, लेकिन लोकेशन नहीं ढूंढ पा रहे हैं। वहीं कुछ लोग ऋषिकेश-नैनीताल नहीं जाना चाहते हैं, क्योंकि इन जगहों पर समर वेकेशन में यहां पर पर्यटकों की अधिक भीड़ आती है। इसलिए अगर आप किसी ऐसी जगह की तलाश कर रहे हैं, जो नैनीताल और ऋषिकेश से भी अधिक सुंदर हो। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की एक सबसे खूबसूरत जगह के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनस्यारी – अगर आप भी दिल्ली की गर्मी से परेशान होकर अपने परिवार के साथ उत्तराखंड में अच्छी जगह ढूंढ रहे हैं। तो फौरन आपको मुनस्यारी का ट्रिप प्लान करें। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, ट्रेकिंग और ऊंचे पहाड़ों के लिए जाना जाता है। मुनस्यारी में गर्मियों में आपको अधिक भीड़ नहीं मिलने वाली है। क्योंकि मुनस्यारी काफी ऊंचाई पर स्थित है। नैनीताल से मुनस्यारी पहुंचने में आपको करीब 11 से 12 घंटे का समय लगता है। वहीं ऋषिकेश से भी यहां तक पहुंचने में करीब इतना ही समय लगेगा। यह मसूरी के पास घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

ऐसे पहुंचे मुनस्यारी

अगर आप दिल्ली से यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करने के लिए अच्छा है। हालांकि इसमें ज्यादा समय लग सकता है।

अगर आप चाहें तो दिल्ली से देहरादून के लिए ट्रेन ले सकते हैं। फिर मुनस्यारी के लिए बस ले सकते हैं।

इसके साथ ही मुनस्यारी के लिए कैब की सुविधा भी मौजूद है। लेकिन इसमें खर्च ज्यादा होता है। वहीं अगर आप बजट में यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करें।

आने-जाने में असुविधा न हो इसके लिए पहले से बस की बुकिंग कर लें। क्योंकि अधिक भीड़ होने पर आपको बस में सीट मिलने में मुश्किल हो सकती है।

दिल्ली से मुनस्यारी की दूरी करीब 604 किमी है। यहां पर पहुंचने में आपको 13-14 घंटे का समय लग सकता है।

प्रयास करें कि आप रात में बस ले लें। जिससे कि सुबह मुनस्यारी में ही आंख खोलें। इससे आपका सफर आराम से सोकर बीतेगा।

मुनस्यारी परिवार के साथ घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

प्रकृति, शांति और रोमांच का संगम है पार्वती घाटी में बसा कसोल

हिमाचल प्रदेश की पार्वती घाटी में बसा कसोल एक छोटा लेकिन बेहद खूबसूरत पर्यटन स्थल है, जो खासकर युवाओं, ट्रेकिंग प्रेमियों और विदेशी पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। समुद्र तल से लगभग 1,580 मीटर की ऊँचाई पर स्थित कसोल को 卐भारत का मिनी इज़राइल卐 भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ बड़ी संख्या में इज़राइली पर्यटक आते हैं और यहाँ की संस्कृति में उनका प्रभाव देखा जा सकता है।

कसोल की खासियत

कसोल एक शांत और सुरम्य गाँव है, जो पार्वती नदी के किनारे स्थित है। यहाँ का वातावरण बेहद शांत, स्वच्छ और ठंडा होता है। ऊँचे पहाड़, घने देवदार के जंगल, कलकल बहती पार्वती नदी और रंग-बिरंगे कैफ़े इस स्थान को बेहद आकर्षक बनाते हैं।

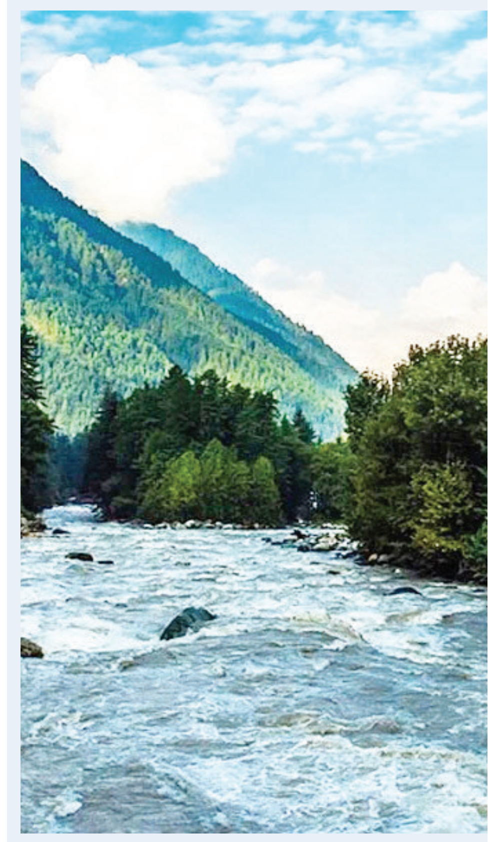

प्रमुख आकर्षण

1. पार्वती नदी

यह तेज बहाव वाली नदी कसोल की जान मानी जाती है। इसके किनारे टहलना, चट्टानों पर बैठकर मन को शांति देना और फोटोग्राफी करना पर्यटकों को बहुत पसंद आता है।

2. तोश और मणिकरण

कसोल से थोड़ी दूरी पर स्थित ये गाँव अपने प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध हैं। मणिकरण में गर्म पानी के झरने और गुरुद्वारा प्रमुख आकर्षण हैं, जबकि तोश ट्रेकिंग प्रेमियों का पसंदीदा गाँव है।

3. चालल गाँव

कसोल से लगभग 30 मिनट की पैदल दूरी पर स्थित यह छोटा गाँव ट्रेकिंग और कैम्पिंग के लिए आदर्श है। यहाँ आप स्थानीय संस्कृति को करीब से जान सकते हैं।

4. इज़राइली कैफ़े और भोजन

कसोल में कई इज़राइली कैफ़े और रेस्तराँ हैं जहाँ आप फलाफल, शाकशूका, हुम्मस आदि विदेशी व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं।

कसोल में करने योग्य गतिविधियाँ

ट्रेकिंग (खीरगंगा, तोश, चालल, ग्रहन)

कैम्पिंग और बोनफायर

रिवर साइड कैफ़े में समय बिताना

स्थानीय लोगों से मिलकर पहाड़ी संस्कृति को समझना

हर्बल चाय और हिमाचली हस्तशिल्प की खरीदारी

यात्रा का उत्तम समय

मार्च से जून– गर्मियों में ठंडी जलवायु और ट्रेकिंग के लिए अनुकूल मौसम।

सितंबर से नवंबर– मानसून के बाद की हरियाली और साफ आसमान।

दिसंबर से फरवरी– बर्फबारी का आनंद लेने के लिए उत्तम।

कैसे पहुँचे कसोल?

हवाई मार्ग– निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो कसोल से लगभग 31 किमी दूर है।

रेल मार्ग– निकटतम रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, लेकिन सड़क मार्ग से पहुँचना अधिक सुविधाजनक है।

सड़क मार्ग– दिल्ली, चंडीगढ़ और मनाली से कसोल तक नियमित बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

कसोल एक ऐसा गंतव्य है जहाँ आप भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के साथ एक गहरा रिश्ता बना सकते हैं। यहाँ का शांत वातावरण, रोमांचक ट्रेक्स, विदेशी भोजन और पहाड़ी सौंदर्य, हर पर्यटक को मंत्रमुग्ध कर देता है। चाहे आप सोलो ट्रैवलर हों, कपल या दोस्तों के साथ – कसोल हर किसी के लिए एक यादगार अनुभव है।

पलक तिवारी ने अपनी मां श्वेता तिवारी के साथ बॉन्ड को लेकर खुलकर बात की

बॉलीवुड एक्ट्रेस पलक तिवारी लगातार अपने करियर को लेकर चर्चा में रहती हैं। इन दिनों वह अपनी वेब सीरीज 'लुक्खे' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच बातचीत में उन्होंने अपनी मां और टीवी की मशहूर अभिनेत्री श्वेता तिवारी के साथ बॉन्ड को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि मां ने उनके करियर में कभी भी दखल नहीं दिया। उन्होंने जो भी अब तक फैसले लिए हैं, खुद और दिल से लिए हैं। पलक तिवारी ने कहा, 'मेरी और मेरी मां की जिंदगी पूरी तरह अलग दौर और अनुभवों से गुजरी है, जिसके चलते हम दोनों के सोचने का तरीका अलग है। कहानियों को समझने का नजरिया भी अलग है। एक कलाकार के तौर पर हर व्यक्ति का अपना एक अलग सफर होता है, और उसी सफर के अनुभव उसके फैसलों को प्रभावित करते हैं। मेरी मां ने जिस समय और माहौल में काम किया, वह आज के समय से बहुत अलग था, इसलिए हम दोनों के दृष्टिकोण भी अलग हैं। '

पलक ने कहा, ' 'मेरी मां कभी भी मेरे करियर में दखल नहीं देतीं। वह सिर्फ मार्गदर्शन करती हैं, लेकिन किसी भी तरह का दबाव नहीं डालतीं। उन्होंने हमेशा से मुझे स्वतंत्र रूप से सोचने और फैसले लेने के लिए प्रेरित किया है। उनका मानना है कि कलाकार को अपने फैसले खुद लेने चाहिए, क्योंकि वही उसके करियर को सही दिशा देते हैं।'' इंटरव्यू के दौरान पलक ने बताया, ' 'मां हमेशा मुझसे यही पूछती हैं कि जो प्रोजेक्ट मैं चुन रही हूं, क्या वह सच में मेरे दिल को पसंद है या नहीं। वह मुझे किसी भी प्रोजेक्ट के लिए मजबूर नहीं करतीं, बल्कि यह समझने की कोशिश करती हैं कि क्या वह काम पलक के लिए सही है या नहीं।'' पलक ने आगे कहा, ' 'मां ने हमेशा मुझे यह सलाह दी है कि मैं अपने दिल की आवाज को सुनूं। एक कलाकार के लिए सबसे जरूरी चीज यही है कि वह अपने काम से भावनात्मक रूप से जुड़ा हो। अगर कहानी या किरदार अंदर से महसूस नहीं होता, तो उसे करना सिर्फ एक काम बनकर रह जाता है, जबकि अभिनय का असली मजा तभी आता है, जब वह दिल से जुड़ा हो।''

मीरा नायर की 'अमरी' में नजर आएंगी प्रियंका चोपड़ा

पिता के रोल में जयदीप अहलावत

डॉक्यूमेंट्री फिल्मों से अपने निर्देशन करियर की शुरुआत करने वाली मीरा नायर अब एक नई फिल्म लेकर आ रही हैं। इस फिल्म का नाम है 'अमरी'। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और जयदीप अहलावत के अलावा भी कई कलाकाल महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'अमरी' स्टार कास्ट

मीरा नायर की नई फिल्म 'अमरी' में मुख्य भूमिका में अंजलि शिवरामन अमृता शेर-गिल का किरदार निभाएंगी। एमिली वॉटसन उनकी मां मैरी-एंटोनेट का रोल करेंगी। जयदीप अहलावत उनके पिता उमराव सिंह शेर-गिल के किरदार में नजर आएंगे। क्रिस्टियन साकवारी विक्टर ईगन के रूप में नजर आएंगी। अंजना वासन इंदिरा शेर-गिल के रूप में और जिम सरभ कार्ल खंडालावाला के रूप में नजर आएंगे। इन सभी के अलावा प्रियंका चोपड़ा मैडम अजूरी के रोल में नजर आएंगी। प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म की एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर भी हैं। मीरा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी नई फिल्म 'अमरी' का पहला लुक जारी किया है।

'अमरी' को लेकर मीरा नायर की राय

अमृता शेर-गिल की कला ने मीरा नायर को बहुत प्रभावित किया है। मीरा ने कहा, ' 'अमरी' अमृता

शेर-गिल की कला से प्रेरित है। उन्होंने यूरोप में अच्छी ट्रेनिंग ली और फिर भारत की आत्मा को अपनी पेंटिंग में उतारा। उनके रंगों की हिम्मत और आम लोगों को चित्रित करने का तरीका मुझे हमेशा प्रभावित करता रहा है।'

अमृता शेर-गिल की पेंटिंग्स

2027 में अमृता शेर-गिल की पेंटिंग्स की बड़ी प्रदर्शनियां दुनिया भर में लगाई जाएंगी। ये पेरिस से शुरू होकर लॉस एंजिल्स, दोहा होते हुए नई दिल्ली में खत्म होंगी। दिल्ली में उनकी स्थायी प्रदर्शनी भी लगाने की योजना है।

'गोलमाल 5' को लेकर तुषार कपूर ने दी बड़ी अपडेट

एक्टर तुषार कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म 'गोलमाल 5' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर एक बड़ी अपडेट दी है। तुषार कपूर ने अपनी टीम के साथ एक सेल्फी शेयर की। इसके साथ उन्होंने एक पोस्ट लिखी है। तुषार कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक सेल्फी शेयर की है। इसमें वह अपनी टीम के साथ नजर आ रहे हैं। उन्होंने इसके कैप्शन में लिखा है 'शेड्यूल रैप सेल्फी। गोलमाल 5, 79 दिन की कड़ी मेहनत, जुनून और दिन-रात शूटिंग, नींद की झपकी और छुट्टियां। लेकिन पिक्चर अभी बाकी है।' तुषार कपूर की पोस्ट पर अभिनेता आफताब ने भी कमेंट किया है। उन्होंने लिखा 'द ए टीम'। पोस्ट पर कई फैंस ने कमेंट करके सीक्वल के लिए अपनी बेसब्री जाहिर की है।

कान फिल्म फेस्टिवल में रिलीज हुआ वामिका गब्बी की 'डीसी' का ट्रेलर

वामिका गब्बी मौजूदा वक्त में इंडस्ट्री की सबसे व्यस्त अभिनेत्रियों में से एक हैं। पिछले महीने 'भूत बंगला' की सफलता के बाद कल ही उनकी नई फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' रिलीज हुई है। अब उनकी आगामी फिल्म 'डीसी' रिलीज को तैयार है। फिल्म का ट्रेलर 79वें कान फिल्म फेस्टिवल में जारी किया गया है। 'डीसी' से निर्देशक से एक्टर बने लोकेश कनगराज अपना एक्टिंग डेब्यू कर रहे हैं। 3 मिनट 13 सेकंड के इस ट्रेलर में लोकेश कनगराज को देवदास और वामिका को चंद्रा के रूप में दिखाया गया है। ट्रेलर में दिखाया जाता है कि चंद्रा के माता-पिता ने कोलकाता में उसे कई साल पहले अवैध रूप से देह व्यापार में बेच दिया था। अब उसके पास रहने की कोई जगह नहीं है। जल्द ही पता चलता है कि देवदास एक पुलिस वाले और डॉक्टर चंद्रा की हत्या के आरोप में वॉन्टेड है। इसके बाद ट्रेलर में जबरदस्त एक्शन, खूनखराबा, बम धमाके और गोलीबारी देखने को मिलती है। ट्रेलर में लोकेश के साथ-साथ वामिका भी कई मौकों पर एक्शन करती नजर आती हैं। ट्रेलर का अंत एक रोमांटिक अंदाज में होता है, जहां वामिका और लोकेश सूर्यास्त के समय एक पहाड़ी पर खड़े नजर आते हैं।

ट्रेलर देखकर उत्साहित हुए फैंस

ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर भी चर्चा में आ गया। हालांकि, अधिकांश यूजर्स ट्रेलर में सबसे ज्यादा प्रभावित अनिरुद्ध के म्यूजिक से हुए हैं। जबकि कई यूजर्स ने ट्रेलर में वामिका और लोकेश की भी जमकर तारीफ की है।

आज भी समाज में लोगों को उनके सरनेम से जज किया जाता है

अभिनेत्री महवश अपनी आगामी वेब सीरीज 'सतरंगीः बदले का खेल' की रिलीज को लेकर तैयार हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस सीरीज में उत्तर भारत की लोक कला 'लौंडा नाच' और जाति-आधारित भेदभाव जैसे गंभीर मुद्दों को भी उठाया है। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि स्क्रिप्ट सुनते ही उन्होंने इसके लिए तुरंत हामी भर दी थी। उन्होंने कहा, 'जब मैंने कहानी सुनी, तो मुझे लगा कि यह सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक सामाजिक संदेश देने का माध्यम भी है। उत्तर प्रदेश में पली-बढ़ी होने के नाते मैंने अपने आस-पास ऐसी सच्चाइयों को देखा और सुना था। उस दुनिया का हिस्सा बनना मेरे लिए एक बहुत ही सार्थक मौका था। मेरे किरदार में भी कई इमोशनल परतें हैं और एक एक्टर के लिए, ऐसी जटिलता हमेशा रोमांचक होती है। ' सीरीज के ट्रेलर से साफ पता चलता है कि इसकी कहानी बदले की नहीं, बल्कि पहचान और आत्म-सम्मान की लड़ाई भी है। अभिनेत्री ने बताया कि आज भी समाज में काफी लोगों को उनके टाइटल से जज किया जाता है। जाति आधारित हिंसा आज भी हमारे आसपास देखने को मिलती है। हम सीरीज के माध्यम से बस यह दिखाना चाहते थे कि इंसान का जिन बातों पर बस नहीं होता, उनकी वजह से लोगों को किन मुश्किलों से गुजरना पड़ता है। यह यकीनन पहचान और इंसाफ की लड़ाई है और मुझे उम्मीद है कि आखिर में समाज यह लड़ाई जीत जाएगा। महवश ने सीरीज में एक ऐसे प्रभावशाली और बाहुबली परिवार की ग्रामीण लड़की का किरदार निभाया है, जो अपने ही परिवार द्वारा किए जा रहे अत्याचारों और जाति व्यवस्था के खिलाफ खड़ी होती है। अपने ग्रामीण किरदार को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि उनके लिए यह मुश्किल नहीं था। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो मुझे यह मुश्किल नहीं लगा, क्योंकि मैंने दोनों तरह की जिंदगी जी है। अगर 'प्यार पैसा प्रॉफिट' ने मेरे मुंबई वाले पहलू को दिखाया, तो 'सतरंगी' मेरे अलीगढ़ के जड़ों को दिखाती है। '

अभिनेत्री ने बताया कि यहां तक आना के लिए उन्होंने अनगिनत ऑडिशन दिए और कई रिजेक्शन झेले हैं। उन्होंने कहा, 'इस मुकाम तक पहुंचना ही अपने आप में मुश्किल था, क्योंकि आपको मौके मिलने से पहले अनगिनत ऑडिशन और रिजेक्शन का सामना करना पड़ता है। आप रिजेक्शन से सीखते हैं और धीरे-धीरे अपनी कला को समझते हैं। डिजिटल कंटेंट के लिए एक्टिंग करना और जज्बाती तौर पर गहरे किरदार निभाना, ये दो अलग-अलग दुनियाएं नहीं हैं। अगर आपको सच में एक्टिंग करनी आती है, तो यह बदलाव अपने आप ही हो जाता है। '

अपनी पहचान बनानी थी, दादा के नाम का सहारा नहीं लिया

दिवंगत म्यूजिक कंपोजर ओपी नय्यर की पोती निहारिका रायजादा साल 2010 में मिस यूके और फिर मिस इंडिया वर्ल्डवाइड रहीं। उनकी परवरिश लक्समबर्ग में हुई। उन्होंने मेडिकल साइंटिस्ट की पढ़ाई की है, पर 2013 से फिल्मी दुनिया में कदम रखे। उनकी पहली फिल्म बंगाली थी, जिसका नाम 'दामोदल' था। हालांकि, चर्चा उन्हें 'बेबी' और 'मसान' जैसी फिल्मों से मिली। साल 2025 में निहारिका फिल्म 'अद्रिका' में नजर आईं और इस साल 'मर्सी' में नजर आईं, जो अप्रैल में रिलीज हुई।

हर कलाकार से कुछ न कुछ सीखा

निहारिका रायजादा अब तक 'मसान', 'बेबी', 'टोटल धमाल' और 'सूर्यवंशी' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। इन फिल्मों में बड़े सितारों के साथ काम करते हुए उन्होंने क्या सीखा? इसके जवाब में वह कहती हैं, 'मैंने हर कलाकार से कुछ न कुछ सीखा है। मसलन ओमपुरी जी इमोशनल आदमी थे, यहां तक कि इमोशंस से ही एक्टिंग करते थे, तो उनसे मैंने वह सीखा। रणवीर सिंह से मैंने सीखा कि इंसान को एक्टर बनने के लिए पैशनेट होना चाहिए। अक्षय (कुमार) सर सबसे बात करते हैं, बहुत बिंदास इंसान हैं और बहुत अनुशासित भी हैं। वह न स्मोकिंग करते हैं और ना ही शराब पीते हैं। तो अनुशासन और शरीर को कैसे मेंटेन करना है, यह मैंने उनसे सीखा। अजय देवगन सर से बिजनेस करना, सिनेमा हॉल्स का बिजनेस चलाना, प्रोड्यूसर-डायरेक्टर बनना जैसी चीजें मैंने समझीं।'

आदिल जी कमाल के हैं

निहारिका इन दिनों फिल्म 'मर्सी' में अपने रोल को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ दिग्गज कलाकार आदिल हुसैन नजर आ रहे हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव पर वह कहती हैं, 'आदिल जी से मैंने सीखा कि इतनी फिल्में करने के बाद भी आप विनम्र और साधारण कैसे बने रहें। उन्होंने 'इंग्लिश-विंग्लिश' और 'लाइफ ऑफ पाई' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। लेकिन उन्हें देखकर पता लगता है कि इंसान जितना ज्यादा ऊपर पहुचंता है न, वह उतना ज्यादा सिंपल होता जाता है। वह फिलोसॉफर है, कई किताबें पढ़ चुके हैं। वह सेट पर अक्सर इम्प्रोवाइज़ करते थे और जिसे हम नैचुरल एक्टिंग कहते है, वह आदिल सर करते हैं। सच कहूं तो वह कमाल के हैं।'

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर नेपोटिज़म की बात होती है। लेकिन निहारिका को अभी तक वैसे मौके नहीं मिल पाए। आखिर क्यों उन्होंने अपने दादाजी के नाम का इस्तेमाल नहीं किया? इसके जवाब में निहारिका कहती हैं, 'क्योंकि किसी ने मुझे उसका इस्तेमाल करने नहीं दिया। हालांकि फिर भी मैंने बहुत अच्छे डायरेक्टर्स के साथ काम किया और मुझे अपने डायरेक्टर्स पर गर्व है। मैं तो इसे भी खुशकिस्मती मानती हूं कि मैं इस इंडस्ट्री का हिस्सा हूं, वरना बहुत लोग फिल्मों में काम करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें वह नसीब नहीं होता। हालांकि फिल्मी फैमिली से होने का फायदा कहीं न कहीं मिलता ही है। लेकिन उसका जो पोटेंशियल है, वह मेरे भी फायदे में नहीं आया।' वह आगे बताती हैं, 'मेरी शुरुआत दरअसल खुद की वजह से हुई थी क्योंकि मैं मिस इंडिया रह चुकी थी। मैंने ऑडिशन दिया और मुझे मौका मिल गया। लेकिन 'टोटल धमाल' मुझे जरूर फैमिली बैकग्राउंड की वजह से मिली थी। शुरू में मैं किसी को बताती ही नहीं थी कि मैं फिल्मी फैमिली से हूं क्योंकि मुझे अपनी पहचान खुद बनानी थी। मैं चाहती हूं कि मैं अपने परिचय से पहचानी जाऊं न कि अपने परिवार के जरिए।'

इच्छामृत्यु पर फैसला सावधानी और समझदारी से हो

निहारिका फिल्म 'मर्सी' में नजर आ रही हैं तो वहीं कुछ समय पहले ही हरीश राणा की इच्छामृत्यु का केस काफी चर्चा में रहा। इस बारे में निहारिका क्या सोचती हैं? वह कहती हैं, 'मैं इच्छामृत्यु को गलत नहीं मानती। लेकिन यह जरूर मानती हूं कि एक व्यक्ति की हालत इतनी खराब है कि कोई और विकल्प नहीं है। तो जिस तरह हरीश राणा का खाना वगैरह विड्रॉल किया गया, तो उस तरह सम्मान के साथ हमारा न्यायालय फैसला ले सकता है। लेकिन यह फैसला सभी पहलुओं को देखते हुए बेहद सावधानी और समझदारी से अथॉरिटीज़ द्वारा लिया जाना चाहिए।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।